

अदालत ने स्वतंत्र भारद्वाज को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को स्वतंत्र भारद्वाज को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह मामला जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक छात्रा के पिता पर कथित हमले समेत अन्य आरोपों से जुड़ा है। भारद्वाज को शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई हमले के मामले में भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांकेरोच जनता पार्टी (कॉजपा) द्वारा संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किए जाने के



कुछ घंटे बाद हुई। कार्रवाई उस साक्षात्कार को लेकर उठे आक्रोश के बाद की गई, जिसमें भारद्वाज ने

दावा किया था कि प्रदर्शन के दौरान उसने छात्रा के पिता का "सिर फोड़ दिया था" और अपने राजनीतिक

संबंधों के कारण गिरफ्तारी से बच गया था। शनिवार को हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद, भारद्वाज को न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह ललर के आवास पर पेश किया गया। न्यायाधीश ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका को मंजूर कर लिया जिसमें आरोपी से एक दिन की पुलिस हिरासत में पूछताछ का अनुरोध किया गया था। रविवार को भारद्वाज को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह ललर ने अब भारद्वाज की न्यायिक हिरासत 21 सितंबर

तक बढ़ा दी है। भारद्वाज ने साक्षात्कार में कहा था कि "मैंने सिर फोड़ दिया था...क्या आपको पता है कि इस अपराध में कौन-सी धारा लगती है? धारा 307। उसे 60 टांके लगे थे। जंतर-मंतर पर कॉजपा के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रा के पिता संजय कुमार पर कथित हमले को लेकर दर्ज प्राथमिकी में भारद्वाज के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आपराधिक धमकी से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी गई हैं। दिल्ली पुलिस ने पूर्व में कहा था कि संजय

कुमार की चोटें "साधारण" प्रकृति की थीं और ये कड़े से लगी थीं। बाद में भारद्वाज ने एक 'पॉडकास्ट' में दावा किया था कि उसने आत्मरक्षा में यह कदम उठाया था। शुक्रवार को एक अलग घटनाक्रम में, पुलिस ने नाबालिग छात्रा की शिकायत पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक नयी प्राथमिकी दर्ज की। शिकायत में ऑनलाइन धमकियां और उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। खबरों के मुताबिक, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3), धारा 78 (पीछा करना)

और धारा 79 (महिला को गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले कृत्य) के अलावा सूचना प्राधिकार अधिनियम की धारा 67 भी प्राथमिकी में जोड़ी है। छात्रा ने इससे पहले आरोप लगाया था कि अपने पिता पर हुए कथित हमले के खिलाफ आवाज उठाने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद उसे दुष्कर्म की धमकियां दी गईं, अपशब्द कहे गए और छेड़छाड़ कर बनाई गई तस्वीरें भेजी गईं। ये घटनाक्रम उस समय सामने आए जब कॉजपा के प्रतिनिधियों ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)

के प्रमुख और नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ संसद मार्ग थाने में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की तथा भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं जोड़ने तथा नाबालिग कार्यकर्ता को कथित तौर पर दुष्कर्म की धमकियों और ऑनलाइन उत्पीड़न को लेकर अलग से प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की थी।

घर के बाहर हंगामे का विरोध करने पर संगीतकार पर हमला, मौत



एजेसी ►► नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के किलोकरी गांव में सामान पहुंचाने का काम करने वाले और ढाबा कर्मियों के एक समूह ने 54-वर्षीय मणिपुरी संगीतकार पर कथित रूप से हमला कर दिया, जिससे उनकी सोमवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सनलाइट कॉलोनी थाना अंतर्गत किलोकरी गांव के निवासी एवं मणिपुर से ताल्लुक रखने वाले सी. विक्रम सिंह को पिटाई के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को

सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मेइती समुदाय से संबद्ध सिंह ने सामान पहुंचाने वाले कर्मियों और ढाबा कर्मचारियों द्वारा उनके आवास के बाहर कथित रूप से शोर मचाने पर आपत्ति जताई थी। पुलिस ने कहा कि जब वह नीचे आए और उन लोगों का विरोध किया, तो इन कर्मचारियों ने उनपर हमला कर दिया और उन्हें कथित रूप से मुक्के मारे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। अधिकारी ने बताया कि सिंह को उनका बेटा याइफाबा इलाज के लिए होली फैमिली अस्पताल ले गया, जहां उनकी

टूक ने ई-रिवशा और बाईक को गारी टक्कर, एक की मौत एजेंसी। उत्तर पश्चिम दिल्ली के रोहिणी में एक टूक ने एक ई-रिवशा और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हादसा रविवार रात रोहिणी सेक्टर 28 के पास हुआ। दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि उनमें से एक की पहचान बलबीर सिंह (35) के रूप में हुई है, जिसने महर्षि वाल्मिकी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि टूक चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और शराब के नशे में लग रहा था। पुलिस ने बाद में चालक को पकड़ लिया, जिसकी पहचान 55 वर्षीय मुन्ना लाल के रूप में हुई।

दूक ने ई-रिवशा और बाईक को गारी टक्कर, एक की मौत एजेंसी। उत्तर पश्चिम दिल्ली के रोहिणी में एक टूक ने एक ई-रिवशा और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हादसा रविवार रात रोहिणी सेक्टर 28 के पास हुआ। दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि उनमें से एक की पहचान बलबीर सिंह (35) के रूप में हुई है, जिसने महर्षि वाल्मिकी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि टूक चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और शराब के नशे में लग रहा था। पुलिस ने बाद में चालक को पकड़ लिया, जिसकी पहचान 55 वर्षीय मुन्ना लाल के रूप में हुई।

(सिंह की) मौत हो गई। उन्होंने हमले और सिंह की मौत की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि एक नाबालिग सहित कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। 'नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स सोसाइटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी' (एनईएसएसडीयू) ने सोमवार को जारी एक बयान में सिंह की मौत की निंदा की और उन्हें "सम्मानित मणिपुरी संगीतकारा" बताया। छात्रों के संगठन ने कहा, "रिपोर्ट के मुताबिक, छह लोगों का एक समूह जब उनके घर के बाहर शराब पी

रहा था और हंगामा कर रहा था तो वह अपने घर के बाहर आए और उनसे शोर कम करने का अनुरोध किया, इसके बाद समूह ने उनपर कथित तौर पर हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे बाद में उनकी मौत हो गई। एनईएसएसडीयू ने इसकी निंदा करते हुए इसे "हिंसा का संवेदनहीन कृत्य" बताया और अधिकारियों से "तेज, निष्पक्ष और गहन जांच" सुनिश्चित करने और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। पुलिस ने कहा कि कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिक्स सम्मेलन तैयारी एनडीएमसी की सड़कों पर नहीं उड़ेगी धूल, लगाए गए वाटर मिस्ट

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की प्रमुख सड़कें धूल रहित दिखें, इसके लिए सड़कों पर वाटर मिस्ट लगा दिए हैं। जो लगातार पानी का छिड़काव कर रहे हैं। वहीं हवा में तैरते बारीक धूल कणों को नियंत्रित करने के लिए एंटी-स्मॉग गन और ऑटोमेटेड वाटर स्प्रेकलरों की मदद से सड़कों पर टैंकरों से भी पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। एनडीएमसी प्रशासन का कहना है कि प्रदूषण को रोकने के लिए केवल कागजी योजनाओं तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर त्वरित कदम उठा रहे हैं। व्यस्ततम मार्गों, चौगहों और अधिक ट्रैफिक वाले क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे धूल उड़कर हवा में न घुले। परिषद का कहना है कि स्वच्छ सड़कें, बेहतर वायु गुणवत्ता और नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए यह निरंतर प्रक्रिया जारी रहेगी।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों के चलते एनडीएमसी ने अपने कर्नाट प्लेस स्थित सभी सार्वजनिक शौचालयों में विदेशी सफाई अभियान शुरू करके चमका दिया गया है। दुर्धंध भरे नजर आने वाले शौचालय सोमवार को चमकते हुए



नजर आ रहे थे। कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल स्थित जीवन भारती बिल्डिंग के पास संचालित सार्वजनिक शौचालय को एनडीएमसी के सबसे बेहतरीन, स्वच्छ और अत्याधुनिक प्रसाधनों के रूप में नया रूप दिया गया है। विदेशी मेहमानों और पर्यटकों की आवाजाही की संभावना को देखते हुए यहां स्वच्छता के उच्चतम मानक तय किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान सम्भावित बारिश और जलभराव की समस्या से निपटने के लिए एनडीएमसी टीमों ने लुटियंस दिल्ली के प्रमुख स्थानों पर 'बेल माउथ' (ड्रिनेज इनलेट) की सफाई का काम बेहद तेज कर दिया है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव को रोकना और नालियों में पानी के सुगम प्रवाह को सुनिश्चित करना है। लुटियंस दिल्ली और आसपास के मुख्य मार्गों पर एनडीएमसी के कर्मचारी और मशीनें सक्रियता से काम कर रही हैं, ताकि कचरे या पत्तियों की वजह से ड्रिनेज सिस्टम अवरुद्ध न हो।

मंडावली का मुख्य मार्ग बना हादसों का अड्डा

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके की मुख्य सड़क इन दिनों स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए मुसीबत का पर्याय बन चुकी है। करीब 500 मीटर लंबी यह सड़क पूरी तरह से टूटकर जर्जर हो चुकी है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का गंदा पानी जमा है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना बेहद खतरनाक हो गया है। इस मुख्य मार्ग पर कई प्रमुख स्कूल स्थित हैं, जिसके कारण रोजाना सैकड़ों छोटे-छोटे बच्चे यहीं से होकर गुजरते हैं। सड़क पर पानी भरा होने के कारण गड्ढों का अंदाजा नहीं लग



पाता, जिससे बच्चे और पैदल यात्री अक्सर संतुलन खोकर गिर जाते हैं। स्थिति इतनी बदतर है कि लोग जान जोखिम में डालकर किनारे की दीवारों या कूड़े के ढेर को फांदकर निकलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि

■ आधा किलोमीटर सड़क पूरी तरह जर्जर, गड्ढों में पानी भरने से स्कूली बच्चों समेत सभी परेशान

क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। मुख्य मार्ग की इस बद्दहाली को लेकर क्षेत्रवासियों में स्थानीय प्रशासन और नागरिक निकायों के खिलाफ भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद सड़क की मरम्मत या पानी की निकासी का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि इस सड़क का निर्माण तत्काल प्रभाव से कराया जाए।

सदन में घटती मागीदारी और सार्थक विमर्श विधायी लोकतंत्र के समक्ष एक बड़ी चुनौती : विजेंद्र

नई दिल्ली। आज लोकतंत्र के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह है कि जब विधायी संस्थाओं में मागीदारी में कमी आ रही है और सार्थक विमर्श अक्सर शोर-शराबे के बीच दबा जाता है। सदन की कार्यवाही और सत्रों में बहुत कम सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जबकि विपक्ष की उपस्थिति भी कम रहती है। यह बातें दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा क्षमण को आए हिंदू कॉलेज समेत दिल्ली विश्वविद्यालय के छह कॉलेजों के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कही। संवाद के दौरान एक विद्यार्थी ने पूछा कि सदन का प्रभावी संचालन करने के लिए अध्यक्ष में कौन-सा आवश्यक गुण होना चाहिए। इस पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जटिल संसदीय परिस्थितियों से निपटने के लिए अध्यक्ष का प्राथमिक गुण धैर्यवान होना है। युवा संपर्क कार्यक्रम के तहत हिंदू कॉलेज, शहीद भगत सिंह कॉलेज, कॉलेज ऑफ लोकेशनल स्टडीज (सीवीएस), श्री गुरु बालक देव खात्ना कॉलेज, मिर्सा हाउस और रामजस कॉलेज के विद्यार्थियों ने दिल्ली विधानसभा का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को विधानसभा की विरसत, कार्यप्रणाली और विधायी प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हुई तथा उन्होंने यह समझा कि सदन में विधायी कार्य किस प्रकार संचालित किया जाता है।



‘नए पीजी डॉक्टर नहीं आए तो अस्पतालों में बढ़ेगा मरीजों का बोझ’

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों के लिए बड़ी चिंता सामने आ रही है। पीजी के नए बैच की जवाबदेगी में देरी के कारण अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में मरीजों की चिकित्सा सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव न पड़े, इसके लिए एफडरेसन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टरर्स एसोसिएशन (फोर्ड) ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) से निवर्तमान पीजी डॉक्टरों के कार्यकाल को नए बैच के ज्वाइन करने तक रोकथामिक रूप से बढ़ाने की मांग की है। फोर्ड ने डीजीएचएस को भेजे पत्र में कहा है कि '2023-26 बैच के पीजी छात्रों ने 3 सितंबर 2026 को अपनी अंतिम एमडी/एसएस परीक्षाएं पूरी कर ली हैं। दूसरी ओर, नीट-पीजी काउंसिलिंग में देरी के चलते नए '2026-29 बैच' के पीजी रेजिडेंट डॉक्टरों की ज्वाइनिंग अभी लाइव है। ऐसे में पुराने और नए बैच के बीच बचने वाले अंतराल का सीधा असर अस्पतालों के कामकाज पर पड़ सकता है।

युवती से दुष्कर्म के मामले में ठेकेदार को लिया हिरासत में



एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के खेड़ा खुर्द में कूलर की घास बनाने वाली एक फैक्टरी में 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म करने के आरोप में 66 वर्षीय ठेकेदार को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। शिकायत के अनुसार, उत्तर प्रदेश निवासी युवती लगभग एक महीने से

फैक्टरी में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। पुलिस ने बताया कि यह घटना एक सितंबर की रात करीब 11 बजे की है। जांच के दौरान पुलिस को यह भी पता चला कि एक सहकर्मी ने कथित घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

व्यवस्था की जाएगी और निर्धारित बदलने पर ठेकेदार पर जुर्माना समय के भीतर क्षतिग्रस्त झंडा नहीं लगाया जाएगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम: **सर्वण कुमार, पुत्र: सत्य नारायण, निवासी: झुग्गी नंबर 1276, ए-ब्लॉक, जेजे कॉलोनी, शाहबाद डेयरी, दिल्ली,** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No. 360/2023 U/S 356/379/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना शाहबाद डेयरी, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **सर्वण कुमार** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **सर्वण कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No. 360/2023 U/S 356/379/411/34 IPC, थाना शाहबाद डेयरी, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **सर्वण कुमार** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **27.10.2026** को या उससे पहले अदालत के सम्मक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री भारती बेनीवाल, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, (उत्तर) कमरा नंबर 114, पहली मंजिल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/12409/ON/2026 (अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय उर्फ रायपा उर्फ सन्नी, पुत्र: श्री रमेश उर्फ हनुमान, पता: वेगाबॉन्ड, फतेह नगर, हरि नगर, नई दिल्ली** ने **FIR No. 3/2025, U/s 25/54/59 Arms Act**, पुलिस थाना **तिलक नगर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजय उर्फ रायपा उर्फ सन्नी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजय उर्फ रायपा उर्फ सन्नी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 3/2025, U/s 25/54/59 Arms Act, पुलिस थाना तिलक नगर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **संजय उर्फ रायपा उर्फ सन्नी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री विकास मदान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07, पश्चिम **DP/12509/WD/2026** कमरा नं. 289, तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

उद्यान विभाग, हरियाणा

पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र,
मुनीमपुर (झज्जर) - 124105
ई-मेल: coemunimpur@gmail.com

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सूचना बारे शुद्धिपत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर, झज्जर पर 07.09.2026 से 11.09.2026 तक होने वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम अब 14.09.2026 से 18.09.2026 तक होगा। अब निम्न प्रकार से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया जाना है :

क्र. सं.	दिनांक	प्रशिक्षण की अवधि (दिनों में)	प्रशिक्षण का विषय	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	14.09.2026 से 18.09.2026	5	उन्नत तकनीकों द्वारा फूलों की खेती पर प्रशिक्षण	10

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण हेतु इच्छुक किसान अपना ऑनलाइन नामांकन बागवानी विभाग, हरियाणा की वेब साइट <http://kaushal.hortharyana.gov.in> पर करें। जो दस किसान सबसे पहले ऑनलाइन नामांकन के माध्यम से अपना नाम दर्ज करवाएंगे, उन्हें ही प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक किसान श्री विकास शंयोगार, उद्यान विकास अधिकारी (Mob No-9255971187) से सम्पर्क करें।

प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया निम्न प्रकार से है:-

- प्राथ्यी अपना ऑनलाइन आवेदन <http://kaushal.hortharyana.gov.in> पोर्टल पर दिनांक 11.09.2026 शाम 03:00 बजे तक कर सकता है।
- प्राथ्यी हरियाणा राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए।
- आवेदनकर्ता अपने ज़रूरी कागजात जैसे कि आधार कार्ड व परिवार पहचान पत्र की फोटो प्रति प्रशिक्षण के दौरान अपने साथ लेकर आएँ।
- चयनित किसानों के नाम बागवानी विभाग की वेबसाइट <http://kaushal.hortharyana.gov.in> पर दिनांक 11.09.2026 को शाम 03:30 बजे तक अपलोड कर दिये जाएँगे।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु प्राथ्यी की न्युनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 60 वर्ष होनी चाहिए।
- प्रशिक्षण हेतु आवेदन एक परिवार पहचान पत्र (PPP) से एक सदस्य ही कर सकता है।
- किसानों के भोजन की व्यवस्था निम्नहस्ताक्षरी कार्यालय के द्वारा की जाएगी।
- प्रशिक्षण केन्द्र पर रात्रि ठहराव की व्यवस्था नहीं होगी।

हस्ता/-परियोजना अधिकारी कम विषय वस्तु विशेषज्ञ, पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, पीआरडीएच-1149/11/1195/2027/48990/88/7 दि. 07.09.26 **मुनीमपुर, झज्जर।**

हरियाणा सरकार निविदा सूचना				
क्र. सं.	बोर्ड/निम/सं. प्राथि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि वर होने की तिथि (सब)	बोर्ड/निम/सं. प्राथि. का नाम
1	नगर परिषद पटौली जटौली मण्डी	एमसीपीजेएम में विभिन्न स्थानों पर वार्ड नं. 21 और 22 में एम.सी. भूमि पर चारदिवारी का निर्माण + 6 कार्य।	02.09.2026 12.09.2026	बोर्ड/निम/सं. प्राथि. का नाम

अधिक जानकारी हेतु कृपया पथारें: www.haryanaeaprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in संवाद-13/2027/40/48967/1/88/7 दि. 07.09.26



दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

अंतरराष्ट्रीय राष्ट्राध्यक्षों,
गणमान्य अतिथियों
और वैश्विक प्रतिनिधियों का



यातायात निर्देशिका



BRICS
INDIA 2026
BUILDING FOR RESILIENCE, INNOVATION,
COOPERATION AND SUSTAINABILITY



**11-13 सितंबर 2026****भारत मंडपम, नई दिल्ली**

**डायवर्जन पॉइंट : 22**

**नियंत्रित सड़कें: 35+**

**विस्तृत यातायात एवं वाहन संबंधी नियम लागू**

वीआईपी काफिलों की सुचारु आवाजाही और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष यातायात नियम एवं डायवर्जन लागू किए जाएंगे, मुख्यतः नई दिल्ली जिले और आसपास के मार्गों पर।



01
**नियंत्रित क्षेत्र
इन मार्गों से यात्रा
न करें**

सम्मेलन की अवधि के दौरान वाहन चालकों को निम्नलिखित मार्गों से होकर यात्रा करने की योजना नहीं बनानी चाहिए। आधिकारिक सूचना के साथ विस्तृत मानचित्र भी जारी किया गया है।

मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट - लोधी रोड फ्लाईओवर)	ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग शांति पथ
तीस जनवरी मार्ग	शेर शाह सूरी मार्ग
जनपथ	डॉ. ज़ाकिर हुसैन मार्ग
सत्य मार्ग	तिलक मार्ग
पृथ्वी राज रोड	सेन मार्टिन मार्ग
फ़िरोज़ शाह रोड	राजेश पायलट मार्ग
अशोक रोड	अकबर रोड
तुगलक रोड	सरदार पटेल मार्ग
नीला गुंबद	एपीजे अब्दुल कलाम रोड
पंचशील मार्ग	कौटिल्य मार्ग
सुब्रमण्यम भारती मार्ग	भगवान दास रोड
मदर टेसा क्रिसेंट	कमाल अतातुर्क मार्ग
तीन मूर्ति मार्ग	कर्तव्य पथ
अफ्रीका एवेन्यू (भीकाजी कामाप्लेस - यशवंत प्लेस)	पुराना किला रोड
'C' हेक्सगन	सफ़्दरजंग रोड
	न्याय मार्ग



02
**रेलवे स्टेशनों के लिए
सुझाए गए मार्ग**

■ **नई दिल्ली रेलवे स्टेशन**

मार्ग A: आईएसबीटी कश्मीरी गेट → बुलेवार्ड रोड → रानी झांसी मार्ग → डीबीजी रोड → पंचकुड़यां रोड → कर्नाट प्लेस का आउटर सर्कल

मार्ग B: आश्रम चौक → रिंग रोड → राजघाट → जेएलएन मार्ग

मार्ग C: वंदे मातरम् मार्ग → डॉ. अंबेडकर मार्ग → पंचकुड़यां रोड → कर्नाट प्लेस का आउटर सर्कल

TRAFFIC ADVISORY
18th BRICS LEADERS' SUMMIT-2026
CONTROLLED, PROHIBITED AREA & DIVERSION POINTS
ON 11th, 12th & 13th SEPTEMBER -2026



ALTERNATIVE ROUTE
CONTROLLED ROAD
PROHIBITED AREA
DIVERSION POINTS

→ रानी झांसी फ्लाईओवर → बुलेवार्ड रोड → लोधीयन मार्ग

■ **हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन**

मार्ग A: एम्स → रिंग रोड → आश्रम चौक → मथुरा रोड

मार्ग B: आईएसबीटी कश्मीरी गेट → रिंग रोड → राजघाट → रिंग रोड → आश्रम चौक → मथुरा रोड



03
**हवाई अड्डे जाने
के लिए
सुझाए गए मार्ग**

मेट्रो से यात्रा करने की विशेष सलाह
यातायात नियमों को देखते हुए वाहन चालकों को मेट्रो सेवा के माध्यम से हवाई अड्डे के टर्मिनलों तक जाने की सलाह दी जाती है।

■ **गुरुग्राम से**

- **T3 / T4 / T2:** NH-48 → राव गजराज सिंह मार्ग → पुरानी दिल्ली गुरुग्राम रोड → UER-II → सर्विस रोड → T3 टर्मिनल रोड
- **T1:** NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे → T-3 रोड
- **T1:** NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर → NH-48 → उलानबटार मार्ग → T-1 रोड

■ **द्वारका से**

- **T3 / T4 / T2 / T1:** सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II (T3 तक नई सुरंग)

■ **नई दिल्ली एवं दक्षिणी दिल्ली से**

- **T3:** रिंग रोड → एम्स चौक → मोती बाग चौक → RTR मार्ग → शंकर विहार फ्लाईओवर के नीचे → संजय टी-पॉइंट → सर्विस रोड → NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे, रंगपुरी → T-3 रोड
- **T3 / T4 / T2 / T1:** एम्स चौक → रिंग रोड → मोती बाग चौक → RTR मार्ग → शंकर विहार फ्लाईओवर → उलानबटार मार्ग

■ **पश्चिमी दिल्ली से**

- **T3 / T4 / T2 / T1:** पंजाबी बाग चौक → रिंग रोड → राजा गार्डन चौक → नजफगढ़ रोड → पंखा रोड → डाबड़ी → द्वारका रोड → रोड नंबर 224, डाबड़ी-गुरुग्राम रोड → सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II → सर्विस रोड NH-48 → T3 टर्मिनल रोड

■ **उत्तर एवं पूर्वी दिल्ली से**

- **T3 / T4 / T2 / T1:** आईएसबीटी कश्मीरी गेट → रानी झांसी फ्लाईओवर → रोहतक रोड → पंजाबी बाग चौक → राजा गार्डन चौक → नजफगढ़ रोड → पंखा रोड → डाबड़ी → द्वारका रोड → रोड नंबर 224, डाबड़ी-गुरुग्राम रोड → सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II → सर्विस रोड NH-48 → T3 टर्मिनल रोड

05	डायवर्जन पॉइंट	वैकल्पिक रास्ते	नियंत्रित क्षेत्र के बाहर					
01	डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक (डब्ल्यू-पॉइंट)	अनुमति नहीं: मथुरा रोड, तिलक मार्ग डायवर्जन मार्ग: बीएसजेड मार्ग → आई.पी. मार्ग - पूर्वी/दक्षिणी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: बीएसजेड मार्ग → दिल्ली गेट - मध्य/उत्तरी/पश्चिमी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: सिंदकरा रोड - नई दिल्ली/कर्नाट प्लेस	07	आरएमएल अस्पताल गोलचक्कर	अनुमति नहीं: मदर टेसा क्रिसेंट एवं तालकटोरा रोड की ओर डायवर्जन मार्ग: शेष मुजीवर रहमान मार्ग - मध्य/दक्षिणी/पश्चिमी/उत्तरी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: बाबा खडक सिंह मार्ग - कर्नाट प्लेस/पश्चिमी/उत्तरी/मध्य/पूर्वी दिल्ली	15	लोधी रोड / महर्षि रमण मार्ग	अनुमति नहीं: महर्षि रमण मार्ग डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड - दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली डायवर्जन मार्ग: भीष्म पितामह मार्ग - दक्षिणी दिल्ली
02	राम चरण अग्रवाल चौक (ए-पॉइंट)	अनुमति नहीं: इस चौक से आगे W-पॉइंट तक वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा डायवर्जन मार्ग: आई.पी. मार्ग - पूर्वी/दक्षिणी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: डीडीयू मार्ग - नई दिल्ली/कर्नाट प्लेस डायवर्जन मार्ग: बीएसजेड मार्ग → दिल्ली गेट - मध्य/उत्तरी/पश्चिमी दिल्ली	08	वंदे मातरम् मार्ग / साइमन बोलिवार मार्ग	अनुमति नहीं: साइमन बोलिवार मार्ग डायवर्जन मार्ग: वंदे मातरम् मार्ग → धौला कुआँ - दक्षिणी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: वंदे मातरम् मार्ग → करोल बाग - नई दिल्ली/पूर्वी/उत्तरी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली	16	लोधी रोड / आर्च बिशप माकारियस मार्ग	अनुमति नहीं: आर्च बिशप माकारियस मार्ग डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड - दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली
03	मीर दर्द चौक	अनुमति नहीं: महाराजा रणजीत सिंह मार्ग डायवर्जन मार्ग: मीर दर्द मार्ग → अहमद गफ्फार मार्ग → डीडीयू मार्ग - नई दिल्ली/कर्नाट प्लेस डायवर्जन मार्ग: मीर दर्द मार्ग → कोटला मार्ग → बीएसजेड मार्ग/डीडीयू मार्ग - उत्तरी/ मध्य/ पूर्वी/ पश्चिमी/दक्षिणी दिल्ली	09	धौला कुआँ फ्लाईओवर	अनुमति नहीं: सरदार पटेल मार्ग डायवर्जन मार्ग: रिंग रोड (दोनों ओर) - दक्षिणी/नई दिल्ली/पूर्वी दिल्ली एवं मध्य/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: वंदे मातरम् मार्ग - नई दिल्ली/उत्तरी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली	17	लोधी फ्लाईओवर के नीचे	अनुमति नहीं: मथुरा रोड से भारत मंडपम की ओर। डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड → नीला गुंबद - दक्षिणी/पूर्वी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: बाबापुल्ला फ्लाईओवर - पूर्वी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड → मद्रसा / लाला लाजपत राय मार्ग → दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली
04	कस्तूरबा गांधी मार्ग / आउटर सर्कल, कर्नाट प्लेस	अनुमति नहीं: C-हेक्सगन और कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल की ओर डायवर्जन मार्ग: आउटर सर्कल → जनपथ को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख मार्ग - नई दिल्ली/ दक्षिणी दिल्ली	10	मोती बाग फ्लाईओवर	अनुमति नहीं: शांति पथ डायवर्जन मार्ग: रिंग रोड (दोनों ओर) - दक्षिणी/नई दिल्ली/पूर्वी दिल्ली एवं मध्य/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: वंदे मातरम् मार्ग - नई दिल्ली/उत्तरी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली	18	नीला गुंबद	अनुमति नहीं: ओबेरॉय फ्लाईओवर / डॉ. ज़ाकिर हुसैन मार्ग की ओर डायवर्जन मार्ग: मथुरा रोड - आश्रम चौक - दक्षिणी/पूर्वी/मध्य/उत्तरी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड - दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली
05	जनपथ / कर्नाट प्लेस	अनुमति नहीं: कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल से C-हेक्सगन की ओर डायवर्जन मार्ग: आउटर सर्कल → कस्तूरबा गांधी मार्ग को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख मार्ग - नई दिल्ली/ दक्षिणी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: काली बाड़ी, शहीद भगत सिंह, पंचकुड़यां, मिंटो एवं बाराखंबा रोड - मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली	11	ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग गोलचक्कर	अनुमति नहीं: अफ्रीका एवेन्यू से यशवंत प्लेस की ओर। डायवर्जन मार्ग: ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग - नई दिल्ली/दक्षिणी/पूर्वी जिला डायवर्जन मार्ग: अफ्रीका एवेन्यू → भीकाजी कामा फ्लाईओवर - दक्षिणी/पूर्वी/ मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी दिल्ली	19	ओबेरॉय फ्लाईओवर के नीचे	अनुमति नहीं: मथुरा रोड डायवर्जन मार्ग: डीपीएस मथुरा रोड के सामने अंडरपास में यू-टर्न लेकर लोधी फ्लाईओवर से - दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली अनुमति है: ओबेरॉय होटल और गोलफ लिंक जाने वाले वाहनों को
06	पटेल चौक	अनुमति नहीं: संसद मार्ग पर विंडसर प्लेस एवं आरबीआई की ओर डायवर्जन मार्ग: अशोक रोड → जीपीओ - नई दिल्ली/ दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली डायवर्जन मार्ग: संसद मार्ग → कर्नाट प्लेस - मध्य/उत्तरी/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली	12	मद्रसा टी-पॉइंट	अनुमति नहीं: अरबिंदो मार्ग की ओर डायवर्जन मार्ग: रिंग रोड (दोनों ओर) - दक्षिणी/नई दिल्ली/पूर्वी दिल्ली एवं मध्य/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: अरबिंदो मार्ग → सफ़्दरजंग फ्लाईओवर - दक्षिणी/नई दिल्ली/पश्चिमी/ मध्य/उत्तरी दिल्ली	20	डीपीएस, मथुरा रोड के सामने यू-टर्न	अनुमति नहीं: भारत मंडपम की ओर डायवर्जन मार्ग: डीपीएस मथुरा रोड के सामने अंडरपास में यू-टर्न लेकर लोधी फ्लाईओवर से - दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली
			13	लोधी रोड / अमृता शेरगिल मार्ग	अनुमति नहीं: मेक्स म्यूलर मार्ग डायवर्जन मार्ग: लोधी रोड - दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली	21	रिंग रोड / भैरों रोड	अनुमति नहीं: भैरों मार्ग की ओर डायवर्जन मार्ग: रिंग रोड, सराय काले खाँ - दक्षिणी/पूर्वी/ नई दिल्ली डायवर्जन मार्ग: रिंग रोड, राजघाट - मध्य/उत्तरी/पूर्वी/ पश्चिमी दिल्ली
			14	लोधी रोड / मैक्स म्यूलर मार्ग	अनुमति नहीं: फ़िरोज शाह रोड, भगवान दास रोड, कॉपरनेक्स मार्ग डायवर्जन मार्ग: बाराखंबा रोड - नई दिल्ली/मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी/दक्षिणी दिल्ली डायवर्जन मार्ग: सिंदकरा मार्ग - पूर्वी/उत्तरी/पश्चिमी/ दक्षिणी/मध्य दिल्ली	22	मंजी हाउस	



06
**महत्वपूर्ण निर्देश एवं
जनसामान्य के
लिए सलाह**

प्राथमिकता वाले मार्ग एवं छूट

- **आपातकालीन एवं चिकित्सा वाहन:** दिल्ली भर में 24x7 प्राथमिकता एवं बिना किसी बाधा के आवागमन सुनिश्चित किया जाएगा
- **आवश्यक सेवाएं एवं उपयोगिताएं:** सभी क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और उपयोगिता सेवाओं के संचालन के लिए निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध रहेगी

यात्रा योजना एवं सार्वजनिक परिवहन

- **परिवहन केंद्र:** हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और आईएसबीटी की ओर जाते समय यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखें
- **सार्वजनिक परिवहन एवं मार्ग:** सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों और डायवर्जन पॉइंट का पालन करें
- **वाणिज्यिक यातायात:** जिन वाणिज्यिक वाहनों का गंतव्य दिल्ली नहीं है, उनके दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा

यातायात नियम एवं पार्किंग

- **निर्धारित पार्किंग:** केवल अधिकृत स्थानों पर ही वाहन पार्क करें; नियंत्रित मार्गों के 200 मीटर के दायरे में सड़क किनारे पार्किंग सख्त रूप से प्रतिबंधित है
- **सड़क अनुशासन:** तेजाब यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और धैर्यपूर्वक सभी यातायात नियमों का पालन करें

जनसुरक्षा एवं नवीनतम जानकारी

- **सुरक्षा सतर्कता:** किसी भी अज्ञात वस्तु या संधिध गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम पुलिसकर्मी को दें
- **रियल-टाइम जानकारी:** दिल्ली पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों और ट्रैफिक पोर्टल के माध्यम से नवीनतम जानकारी से अपडेट रहें

<https://www.facebook.com/dtptraffic><https://twitter.com/dtptraffic><https://www.instagram.com/dtptraffic> 8750871493 पर हमें फॉलो करें ट्रैफिक प्रहरी बलें

Google Play

App Store

से ऐप डाउनलोड करें

24 घंटे ट्रैफिक हेल्पलाइन: 011-2584444/1095

तुरंत पुलिस सहायता पाने के लिए 112 पर कॉल करें

आतंकवादी गतिविधियों की सूचना देने के लिए 14547 पर कॉल करें

DP/99116/2026

खबर संक्षेप

वेलफेयर एसोसिएशन की मीटिंग आयोजित

फरीदाबाद। हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद यूनिट द्वारा बिजली पेंशनर्स के लिए एक मीटिंग का आयोजन किसान भवन में किया गया। सभा की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवी दयाल दिरोसिया व संचालन जिला सचिव बी एस भंडारी द्वारा किया गया। बैठक में एच पी जी सी एल थर्मल पानीपत के मुख्य अभियंता निगम की एसोपी स्केल स्कीम के मुताबिक तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को ए सी पी स्केल का लाभ न देने पर रोष प्रकट किया गया।

9.66 लाख की साइबर ठगी

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना एनआईटी टीम ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 9.66 लाख की साइबर ठगी के मामले में एक खाताधारक अर्जुन लाल निवासी बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 10000 ट्रांसफर किए गए थे।

फरीदाबाद पुलिस का प्रहार जारी, 2 देसी कट्टे बरामद

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। 6 सितंबर को अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए देशी कट्टा रखने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 देसी कट्टे बरामद किये हैं। 6 सितंबर को डीएलएफ की टीम ने आकाश निवासी पल्लवा फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

प्राधिकरण की संपत्तियों के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि तेज़ी से बढ़ते विकास को मिला नया आयाम,10 संपत्तियों की नीलामी से लगभग 105.65 करोड़ का राजस्व



हरिभूमि न्यूज़ ►► गाजियाबाद

तेजी से बढ़ रही विकास गतिविधियों और निवेश की संभावनाओं के बीच गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की संपत्तियों की नीलामी के माध्यम से बड़ी वित्तीय सफलता प्राप्त हुई है। प्राधिकरण द्वारा सोमवार को हिंदी भवन, लोहिया नगर में विभिन्न श्रेणी की संपत्तियों की नीलामी आयोजित की गई, जिसमें कुल 10 संपत्तियों की सफल बोली प्राप्त हुई। सफल नीलामी से प्राधिकरण को लगभग 105.65 करोड़ (एक सौ पाँच करोड़ पैंसठ लाख रुपए) का राजस्व प्राप्त होगा। यह उपलब्धि न

मुकाबला पहले से अधिक रोमांचक होने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज़ ►► गुरुग्राम

लोकप्रिय एडवेंचर रियलिटी शो रोडीज़ – पुनर्जन्म नए सीजन और बदले हुए फॉर्मेट के साथ वापसी कर रहा है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शो के होस्ट रन्विजय सिंघा और सभी छह गैंग लीडरों ने नए सीजन की घोषणा की। इस बार पहली बार शो में छह गैंग लीडर होंगे, जिससे मुकाबला पहले से अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है। नए सीजन में उम्मीद चिनापा, नेहा धूपिया और प्रिंस नरूला अनुभवी टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि अभिषेक मल्हान, बानी जे और बसीर अली नई रणनीति के साथ चुनौती पेश करेंगे।



गेस्ट टीचरों ने राजरानी के बलिदान को नमन करते हुए उनके संघर्ष और त्याग को सदैव याद रखने का संकल्प लिया

फरीदाबाद के गेस्ट टीचरों ने राजरानी के बलिदान दिवस पर यज्ञ कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज़ ►► फरीदाबाद

गेस्ट टीचरों के अधिकारों की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देने वाली दिवंगत गेस्ट टीचर राजरानी के 19वें बलिदान दिवस पर सोमवार को फरीदाबाद में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। जिलेभर के गेस्ट टीचर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सागरपुर में एकत्रित हुए और यज्ञ कर राजरानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यज्ञ सोमदत्त शास्त्री द्वारा संपन्न कराया गया तथा उपस्थित सभी लोगों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। जिला प्रधान रघु वत्स ने कहा कि रोजगार और अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए



राजरानी ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उन्होंने बताया कि 7 सितंबर 2008 को रोहतक में नियमितीकरण की मांग को लेकर किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली लगने से राजरानी की मृत्यु हुई थी। राजरानी जींद जिले की रहने वाली थीं। गेस्ट टीचरों

बाद गेस्ट टीचरों में अपनी मांग पूरी होने की उम्मीद और मजबूत हुई है। गेस्ट टीचरों ने सरकार से मांग की कि माननीय न्यायालय के आदेश के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में गेस्ट टीचरों को नियमित किया जाए। बलिदानी राजरानी ने जिस अधिकार, सम्मान और रोजगार की लड़ाई के लिए अपना बलिदान दिया था उस सपने को साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गेस्ट टीचरों ने राजरानी के बलिदान को नमन करते हुए उनके संघर्ष और त्याग को सदैव याद रखने का संकल्प लिया न्यायालय के आदेशानुसार जल्द से जल्द गेस्ट टीचरों के नियमितीकरण की मांग दोहराई।

सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी गाड़ी पर चढ़कर नुकसान करने के मामले में सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव अनिल चिण्डालिया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► फरीदाबाद

बीते 5 सितंबर को सागर सिनेमा सेक्टर 16 फरीदाबाद के पास कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार के कार्यालय के सामने बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करने, सरकारी

कार्य में बाधा पहुंचाने तथा सरकारी गाड़ी पर चढ़कर नुकसान करने के मामले में तहसीलदार फरीदाबाद सुमेर सिंह की शिकायत पर थाना सेक्टर 17 में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई थी पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि घटनाक्रम के संबंध में सफाई

कर्मचारी यूनियन नेता अनिल कुमार पुत्र प्रहलाद सिंह निवासी आदर्श कॉलोनी एनआईटी फरीदाबाद को 7 सितंबर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय फरीदाबाद में पेश किया गया। माननीय अदालत नवीन कुमार-1 जेएमआईसी फरीदाबाद ने

आरोपी को कंडीशनल बेल प्रदान की है। जिसमें वर्णित किया गया है कि वह इलेक्ट्रॉनिक, डॉक्यूमेंट्री फिजिकली व अन्य किसी प्रकार से आगे धरना प्रदर्शन में भाग नहीं लेगा। अन्यथा उसकी बेल रद्द कर दी जाएगी।

2 तमंचे, 2 खोखा कारतूस, स्कूटी बरामद नाबालिग लड़कियों को घर बुलाकर दुष्कर्म करने वाले दो युवक पुलिस मुठभेड़ में लंगड़े

हरिभूमि न्यूज़ ►► गाजियाबाद

थाना ट्रैनिका सिटी पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर घर लेजाने और उनके साथ दुष्कर्म करने के मामले में दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से दोनों लंगड़े हो गए। दोनों के कब्जे से 02 तमंचे, 02 खोखा कारतूस, 02 जिन्दा कारतूस व चोरी की स्कूटी बरामद हुए हैं। एसपी रामकिशन ने बताया कि थाना ट्रैनिका सिटी पुलिस दुष्कर्म के अभियोग में वांछित अभियुक्तगण की तलाश हेतु मुखबिर की सूचना पर खानपुर जंगल के पास चेंकिंग की जा रही थी। तभी स्कूटी पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये जिन्हें पुलिस



टीम द्वारा रूकने का इशारा किया तो स्कूटी सवार भागने लगे और भागते हुए पुलिस टीम पर फायर करने लगे। जिनसमें पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की गई, मुठभेड़ के दौरान दोनों अभियुक्तों के पैर में गोली लगी, जिसके पश्चात पुलिस दोनों अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। आरोपियों में गुलजारव अहसान हैं।

गाजियाबाद टॉप 10 में शामिल, वायु गुणवत्ता सुधार में निगम की अहम भूमिका देखने को मिल रही है शहर के सहयोग, आधुनिक उपकरणों के उपयोग से वायु गुणवत्ता सुधार को आगे बढ़ा रहा है निगम : नगर आयुक्त

हरिभूमि न्यूज़ ►► गाजियाबाद

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में गाजियाबाद नगर निगम की रैंकिंग बढ़ी है। गाजियाबाद नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर 9वीं रैंक मिली है, गाजियाबाद टॉप 10 में शामिल हुआ है। 3 साल में गाजियाबाद नगर निगम की रैंकिंग स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में लगातार बढ़ी है, 2024 में 18वीं रैंक 2025 में 12वीं रैंक तथा इस बार 2026 में 9वीं रैंक प्राप्त हुई है। वायु गुणवत्ता सुधार में निगम की अहम भूमिका देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सड़कों को धूल मुक्त बनाया जा रहा है तथा पानी का छिड़काव भी लगातार जारी है। जिसमें आधुनिक उपकरणों का उपयोग भी निगम कर रहा है। 15 आधुनिक एंटी स्मोक गण के माध्यम से शहर में पानी का छिड़काव किया जा रहा है, वॉटर स्प्रींग कलर 32 है। जिसमें जलकल और स्वास्थ्य विभाग द्वारा सड़कों



पर पानी का छिड़काव पेड़ पौधों पर पानी का छिड़काव कराया जाता है, रोड स्वीपिंग मशीन 12 है। जिनसे सड़कों को धूल मुक्त करने का कार्य विभाग कर रहा है, निर्माण विभाग द्वारा ऐसे स्थान जहां से धूल उड़ती है वहां इंटरलॉकिंग तथा सड़क बनाने का कार्य किया है एंड टू एंड पेंविंग के अंतर्गत लगभग 49 किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल में इंटरलॉकिंग लगाई गई है। उद्यान विभाग द्वारा पौधा रोपण में विशेष भूमिका निभाई है जिसमें 2024 में

शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य पूरा करते हुए 144000 से अधिक पौधे लगाए गए, 2025 में डेढ़ लाख से अधिक पौधे लगाए गए इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए 2026 में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा उपवन योजना व अन्य योजना के क्रम में निगम की रिक्त भूमि और आर्मी लैंड पर लगभग 7 लाख पौधे लगाने का कार्य किया जा रहा है जिससे शहर वासियों को बहुत लाभ मिलेगा कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम पौधारोपण के लिए बेहतर कार्य कर रहा है।

निर्माण की टीम करेगी जर्जर भवनों का चिन्हांकन जर्जर पुराने भवनों को चिन्हित कर रहा है निगम, नगर आयुक्त ने बनाई कमेटी

हरिभूमि न्यूज़ ►► गाजियाबाद

नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले ऐसे भवन जो बिल्कुल जर्जर है तथा बहुत पुराने हो चुके हैं जिनकी बारिश के दौरान गिरने की संभावना अत्यधिक है दुर्घटना ना हो, ऐसे भवनों का चिन्हांकन करने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने कमेटी का गठन किया है। जिसमें जोनल प्रभारी तथा निर्माण की टीम संयुक्त रूप से कार्यवाही करेगी निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि वर्षा ऋतु का समय चल रहा है जिसमें कई बार निरंतर बारिश होती है बारिश के दौरान मौसम खराब होने की स्थिति

में शहर अंतर्गत पुराने और जर्जर भवन के ढहने की संभावना बन जाती है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए ऐसे भवनों को चिन्हित किया जा रहा है भवन स्वामियों को नोटिस दिया जा रहा है। भवन स्वामी तथा बिल्डर अपनी ऐसी संपत्तियों का विशेष ध्यान रखें, निगम की टीम का सहयोग करें, ऐसे भवनों में रहने वाले व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्यवाही भी करें, नगर आयुक्त द्वारा सभी जोन के जोनल प्रभारी तथा निर्माण विभाग के सहायक अभियंता और अवर अभियंता को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह समय गीत, ग़ज़ल, कविता से निकल कर पृथ्वी की चित्कार सुनने का है: गौहर

हरिभूमि न्यूज़ ►► गाजियाबाद

'महफिल ए बारादरी' में अपने उद्बोधन में सुप्रसिद्ध शायर आलोक अविरल ने कहा कि इस कार्यक्रम में भावनाओं की जो नदी बहती है अंत तक पहुंचते-पहुंचते वह भावों का समंदर हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में पर्यावरण पर जिस सजगता से चिंता जताई गई उसके वैधिका चेतना के रूप में बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस मंच से उठी चित्कार एक दिन समवेत मुहिम के रूप में सामने आएगी। इससे पूर्व सुप्रसिद्ध शायरा डॉ. माला कपर् 'गौहर' ने बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं और पर्यावरण क्षरण पर चिंता व्यक्त करते हुए अपनी कविता 'उम्मीद' के माध्यम से नेपाल त्रासदी को रेखांकित किया था।

सिव्हर लाइन प्रेटीज स्कूल नेहरू नगर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ इंद्रजीत सुकुमार की सरस्वती वंदना से हुआ। श्री अविरल ने नेपाल त्रासदी की ओर इशारा करते हुए कहा 'दिख रहा है दूर तक पानी ही पानी हर तरफ, शहर सारा जिस जगह पे रोज चलता था कभी। जिस जगह मिट्टी के नीचे लाश है बस लाश है,



बस वहीं से प्यार का लश्कर गुजरता था कभी। है जहां मलबा ही मलबा बस वहीं स्कूल गुल चुका कपड़ा है जो बच्चों का बस्ता था कभी।' मुख्य अतिथि नोमान शौक ने कहा सारे पागल कर रहे हैं एक दूसरे का इलाज, और जो पागल नहीं हैं उनका मर्ज है लाइलाज। पाल रखी है सभी ने अपने बीमारों की फौज, किस मसीहा से

कराने जाइए अपना इलाज। संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंहल ने अपने चिर-परिचित अंदाज में वाहवाही बटोरते हुए कहा 'कोई दुनिया में ऐसी क्यों जाएं अब, जिए तो खुद पर शर्मिदा रहे अब। मेरी नौदें चुराई जा रही हैं, मेरे सपने भी कोई देख ले अब। मैं खुद को खर्च करना चाहता हूं, गले जो भी मिले कस कर मिले अब।'

संस्थापिका अध्यक्ष डॉ. माला कपर् 'गौहर' ने कहा कि यह समय गीत, ग़ज़ल, कविता से निकल कर पृथ्वी की चित्कार सुनने का है। उन्होंने उम्मीद कविता में अपना दर्द कुछ यूँ बयां किया- शहर के ओर मेरे उन्वान के साथ, जुड़ी हैं आशाएं, दोनों ही देखते हैं सपने, मैं भी और शहर भी,... आनंद मिलता है देख कर, मंसूबे से बांधते, कुछ और नए पुल और नई सड़कें, एक और नई मेट्रो, ...बापों कितना लोहा और हम, मुलायम मखमल धानी आंचल को बंजर बाँझ बना कर अपने सपने पूरे करने को, ये कौन उम्मीद से है?' डॉ. उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी' ने कहा 'कितने अचरज से भरा शबरी का यह काम, दांतों से वह लिखती रही बरों पर राम। अंधेरे की हनुक़मत आ गई है, चिरागों को बुझाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन आलोक यात्री और खुशबू सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया। अपने शेर 'आंखों में इबारत है और दिल में कहानी है, आ जाए अगर वो तो उसको ही सुनानी है। उस चांद का बंजर बाँझ बना कर अपने सपने पूरे करने को, ये और झील में पानी है' पर खुशबू ने भरपूर दाद बटोरी। इनके अलावा मोनी गोपाल तपिश', वी. के. शेखर, सरवर हसन सरवर, डॉ. तारा गुप्ता, बी. के. वर्मा आदि।

दिल्ली सरकार ने दिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश अवैध निर्माणों की शिकायत करें जनप्रतिनिधि, होगा एक्शन : रेखा



हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री सोमवार सुबह भी एक बार फिर सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से बचाव, राहत तथा सुरक्षा संबंधी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल के निरीक्षण और प्रारंभिक आकलन के आधार पर घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से यह भी आग्रह किया है कि वे निर्माणाधीन अवैध निर्माणों पर निगाह रखें और उसकी शिकायत संबंधित विभाग को दें, ताकि उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रभावित छात्रों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर अन्य कॉलेजों के छात्रावास में ठहराया गया है और सरकार उनकी सभी आवश्यक

‘बेसमेंट में पानी भरने से गिरे पिलर’

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुरानी इमारत के बेसमेंट में पानी भरने के कारण उसके पिलर कमजोर होकर गिर गए, जिसके चलते पूरी इमारत ढह गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस गंभीर घटना के लिए जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसकी जवाबदेही तय की जाएगी और उसके खिलाफ कानून के कठोरतम प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल और व्यापक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : रेखा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भवनों और निर्माण कार्यों से जुड़ी किसी भी ऐसी स्थिति को दरकिनारा नहीं किया जाएगा, जिससे लोगों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच चल रही है। इस हादसे में और भी अफसरों की लापरवाही सामने आई तो उनके खिलाफ भी एक्शन होगा।

‘लाई जाएगी नई और ठोस नीति’

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार नगर निगम के साथ मिलकर ऐसी नीति लाने की दिशा में काम कर रही है, जिसके तहत सार्वजनिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रत्येक भवन चाहे वह पीजी, नर्सिंग होम, स्कूल या कोई अन्य संस्था न हो का समय-समय पर संरचनात्मक ऑडिट और भवन सुरक्षा प्रमाणन अनिवार्य किया जाएगा। बिना भवन की सुरक्षा सुनिश्चित किए किसी भी इमारत में सार्वजनिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुविधाओं का ध्यान रख रही है। हादसे में घायल छात्रों के परिजनों के साथ भी सरकार लगातार संपर्क में

है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की सर्वोच्च



प्राथमिकता दिल्लीवासियों की जान-माल की सुरक्षा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राजधानी के सांसदों,

विधायकों, पार्षदों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बनाए जा रहे अवैध निर्माणों की जानकारी प्राप्त करें और इसकी शिकायत संबंधी विभाग को भेजें। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा। निर्माणाधीन अवैध निर्माणों को लेकर सिस्टम बनाया जाएगा ताकि उन पर निगरानी भी रखी जा

सके। इस प्रकार की शिकायतों की निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों की निर्देश दिए हैं कि केवल घटनास्थल तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि आसपास के सभी संवेदनशील भवनों और पीजी की भी गहन जांच की जाए।

आप ने सत्य निकेतन में भाजपा नेताओं पर पीजी चलने के लगाए आरोप



नई दिल्ली। सत्य निकेतन इमारत हादसे को लेकर सोमवार को दिल्ली आम आदमी पार्टी ने स्थानीय भाजपा विधायक अनिल शर्मा के घर के बाहर धरना प्रदर्शन करते हुए विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सोम भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता से मांग की है कि सत्य निकेतन क्षेत्र में स्थित सभी पीजी हॉस्टल के मालिकों की सूची जारी करें जिससे सार्वजनिक हो सके कि भाजपा के कितने नेता यह कार्य कर रहे हैं। लिस्ट आने के बाद सबको पता चल जाएगा कि उसली पीजी माफिया कौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर चल रहा है कि सत्य निकेतन इलाके में भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं का पीजी में मोटा पैसा लगा हुआ है। ऐसे में जब बड़े-बड़े नेता पीजी चलाएंगे तो एमसीडी का इंजीनियर या पुलिस कांस्टेबल कार्रवाई कैसे कर सकता है। इस अवसर पर बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के लिए हॉस्टल बनाए और उनके बनने तक पीजी का किराया खुद वहन करें। सीएम भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार को यहां बच्चों के लिए हॉस्टल बनवाने चाहिए। जब तक हॉस्टल बनकर तैयार नहीं होते और बच्चों की अलौट नहीं होते, तब तक सरकार की तरफ से बच्चों के पीजी की फीस दी जानी चाहिए। प्रदर्शन में विधायक संजीव झा, कुलदीप कुमार, जरनैल सिंह, एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग सहित अन्य मौजूद थे।

उपराज्यपाल ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने सोमवार को दिल्ली में भवन सुरक्षा, छात्र आवास और पीजी (पेइंग गेस्ट) नियमों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री आशीष सुद, मुख्य सचिव, एनडीआरएफ के महानिदेशक, दिल्ली पुलिस आयुक्त तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तर की समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने असुरक्षित भवनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और नियमों के कड़ाई से पालन, स्पष्ट संस्थागत जवाबदेही तथा शिकायतों के त्वरित निवारण और संकट के समय प्रभावी समन्वय के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के तहत आपातकालीन तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के शहरी विकास मंत्री को संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समिति का नेतृत्व करने के निर्देश दिए गए हैं। समिति संस्थागत पीजी दिशा-निर्देशों की समीक्षा, विश्वविद्यालयों, एमसीडी और डीडीए के माध्यम से छात्रों के लिए वैकल्पिक आवास की संभावनाओं का अध्ययन तथा 'छात्र आवास के लिए डीडीए के अनुपयोगी आवासीय भवनों/आवास स्पर्क के इस्तेमाल की व्यवहार्यता का आकलन करेंगी।

एबीवीपी ने एमसीडी आयुक्त का मांगा इस्तीफा



नई दिल्ली। सत्य निकेतन भवन हादसे के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने सोमवार को प्रशासन की जवाबदेही तय करने, एमसीडी आयुक्त के इस्तीफे तथा प्रकरण में संलिप्त सभी व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत आपराधिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि रविवार को निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया, जिसमें दूरी अध्यक्ष आर्यन मान सहित कई एबीवीपी कार्यकर्ता घायल हुए तथा 50 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि डीयू के विभिन्न कॉलेजों और परिसरों में कार्यकर्ता धरने पर बैठकर विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। नो मोर सत्य निकेतन का हमारा संकल्प स्पष्ट है कि दिल्ली में किसी भी विद्यार्थी को असुरक्षित भवन में अपनी जान जोखिम में डालकर रहने के लिए मजबूर न होना पड़े। हम मांग करते हैं कि दोषी अधिकारियों, भवन मालिकों एवं नियमों की अनदेखी करने वाले सभी लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्धक शर्मा ने कहा कि दिल्ली के सत्य निकेतन में हुई इस त्रासदी में व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को उजागर किया है। दिल्ली सरकार दोषियों को विनष्ट कर तत्काल कार्रवाई करे और प्रत्येक विद्यार्थी-बहुल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए।

नए हॉस्टल निर्माण की योजना बनाएं कॉलेज : कुलपति

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने सभी प्रिंसिपलों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं की समीक्षा करें। मौजूदा छात्रावासों के साथ अगर उनके यहां कोई छात्रावास निर्माणाधीन है तो कोशिश करें कि उसे शीघ्रता से पूरा किया जाए और वह जल्दी से जल्दी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हो। बता दें कि सत्य निकेतन भवन हादसे के बाद सोमवार को कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कॉलेज प्रिंसिपलों की बैठक भी बुलाई और इस दौरान गहरा शोक प्रकट किया। दुर्घटना में मृत विद्यार्थियों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए बैठक में दो मिनट का मौन भी रखा गया। कुलपति ने कहा कि अपने बच्चों की जान का नुकसान दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी क्षति है। यह घटना सबको झकझोरने वाली है। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इस दुर्घटना में हमारे कुछ विद्यार्थियों की जान चली गई और कुछ को गंभीर चोट आई है। यह हम सब के लिए बहुत दुख की घड़ी है। ऐसे में मेरी गहन संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय हादसे के पीड़ितों की हर संभव मदद के लिए खड़ा है।

‘जर्जर भवनों के नए सर्वे का निर्देश’

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में सत्य निकेतन मामले के बाद सोमवार को मंत्री रवीश वर्मा ने कहा कि अधिकारियों को संबंधित क्षेत्र में सभी खतरनाक एवं जर्जर भवनों के जांच सर्वेक्षण के निर्देश दे दिए गए हैं। जबकि दक्षिण जोन क्षेत्र के उपायुक्त राकेश कुमार, अधीक्षक अभियंता रणवीर सिंह (भवन), अधिशासी अभियंता ललित कुमार गोयल (भवन), सहायक अभियंता सुनील चौहान (भवन) तथा कमिश्नर अभियंता आशीष कुमार (भवन) को निर्दिष्ट कर दिया गया है। महापौर ने बताया कि भवन सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वाही ने स्पष्ट किया कि भवन उप-नियमों का उल्लंघन करते हुए अथवा चार मंजिल से अधिक भवन का निर्माण किए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में इस प्रकार की अनधिकृत गतिविधियां सामने आएंगी, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को ऐसे भवनों की पहचान करने के लिए कहा गया है जिससे वहां रहने वाले नागरिकों के जीवन एवं संपत्ति को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा

कि सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित किए जाने वाले भवनों की स्थिति का गंभीरता से आकलन किया जाएगा तथा ऐसे भवनों के संबंध में दिल्ली नगर निगम अधिनियम एवं अन्य लागू नियमों के तहत तत्काल नियमानुसार कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में भवन निर्माण एवं भवन सुरक्षा से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें तथा जहां भी नियमों का उल्लंघन पाया जाए, वहां बिना किसी दबाव के नियमानुसार सख्त कार्रवाई करें। महापौर ने बताया कि निगम के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र द्वारा निर्माणाधीन एवं जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर भी कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। सभी निर्माण स्थलों पर भवन मालिक एवं बिस्डर द्वारा स्वीकृत भवन योजना के अनुरूप ही निर्माण कार्य करवाया जाना अनिवार्य है। इसके साथ ही निर्माण स्थलों पर निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों, सावधानियों एवं सुरक्षा उपायों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि निगम का उद्देश्य केवल हड़सा होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि संभावित दुर्घटनाओं की पहचान कर उन्हें पहले ही रोकना है।

सत्य निकेतन हादसे ने खोली पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी के इमारत ढहने की घटना ने राजधानी में छात्रों के लिए संघर्षाति हो रहे निजी पेइंग गेस्ट (पीजी) और हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था और सरकारी सिस्टम की पोल खोल दी है। हादसे पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए हादसे के बाद घटनास्थल के आसपास रहने वाले डीयू कॉलेज छात्रों ने दावा किया कि इलाके की कई पीजी इमारतों की हालत अंदर से बेहद खराब है। उनका आरोप है कि बाहर से रंग-रोशन कर इमारतों को चमकदार बना दिया जाता है, लेकिन अंदर की दरारों और सुरक्षा खामियों पर ध्यान नहीं दिया जाता। हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद छात्रों ने बताया कि जिस इमारत में हादसा हुआ, वह बाहर से इलाके की सबसे प्रीमियम पीजी में शामिल दिखाई देती थी। छात्रों के मुताबिक, इमारत को कुछ वर्षों तक बंद रखने के बाद दोबारा निर्माण और रंग-रोशन का काम कराया गया तथा नए शैक्षणिक सत्र के दौरान इसे फिर से छात्रों के लिए खोल दिया गया। यहां कमरों का किराया भी काफी अधिक बताया गया। डीयू कॉलेज विद्यार्थियों का कहना है कि कॉलेजों के पास पर्याप्त हॉस्टल सुविधा नहीं होने के कारण उनके पास निजी पीजी में रहने के अलावा सीमित विकल्प हैं। कॉलेज के नजदीक रहने के लिए उन्हें भारी किराया देना पड़ता है, लेकिन बदले में सुरक्षा मानकों की गारंटी नहीं मिलती। छात्रों का सवाल है कि जब वे केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित कॉलेजों में पढ़ रहे हैं तो उनके लिए पर्याप्त और सुरक्षित हॉस्टल सुविधा क्यों नहीं है।

- बाहर से चमकदार, अंदर से जर्जर हैं ज्यादातर पीजी : छात्र
- पीजी में इमरजेंसी एग्जिट तक नहीं, जोखिम भरी इमारतों में रहने को मजबूर

‘बाहर से देखकर नहीं लगता था बह जाएगा भवन’

एक छात्र ने बताया कि हादसे से ठीक एक दिन पहले वह अपने दोस्तों के साथ इसी इमारत के आसपास समय बिता रहा था। बाहर से इमारत को देखकर किसी को भी यह अंदाजा नहीं था कि अगले ही दिन इतनी बड़ी घटना हो सकती है। छात्र ने कहा कि बाहर से इसकी स्थिति इतनी खराब नहीं लगती थी कि इमारत अचानक ढह सकती है। छात्रों के अनुसार, एमसीडी की ओर से पहले इस इमारत को लेकर नोटिस भी दिया गया था, लेकिन बाद में निर्माण कार्य के बाद इसे फिर से शुरू कर दिया गया। छात्रों ने सवाल उठाया कि यदि किसी इमारत को सुरक्षा कारणों से बंद किया गया था तो महज मरम्मत, पेंटिंग या रंग-रोशन के बाद उसे दोबारा छात्रों के रहने के लिए कैसे खोल दिया गया।

‘हर पीजी में अंदर से दरारें, बाहर सिर्फ पेंट’

घटनास्थल के आसपास रहने वाले छात्रों ने दावा किया कि समस्या केवल हादसे वाली इमारत तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि इलाके की कई इमारतों में अंदर जाकर देखने पर दीवारों और ढांचे में दरारें दिखाई देती हैं, जबकि बाहर से उन्हें पेंट करके बेहतर दिखाने की कोशिश की जाती है। एक छात्र ने कहा कि आसपास की गलियों में जाकर किसी भी पीजी की इमारत को अंदर से देखा जाए तो स्थिति चिंताजनक है। कई जगहों पर रास्ते बेहद संकरे हैं और आपात स्थिति में छात्रों के सुरक्षित बाहर निकलने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

‘आपातस्थिति में छात्रों का एक साथ बाहर निकलना मुश्किल’

छात्रों ने सबसे गंभीर सवाल इमरजेंसी एग्जिट और सुरक्षित निकासी मार्ग को लेकर उठाया है। उनका कहना है कि कई पीजी में अलग-अलग आपातकालीन गेट नहीं हैं। गलियों और रास्ते इतने संकरे हैं कि आग, भूकंप या इमारत ढहने जैसी स्थिति में बड़ी संख्या में छात्रों को एक साथ बाहर निकालना मुश्किल हो सकता है।

‘कॉलेजों में नहीं है पर्याप्त हॉस्टल सुविधा’

छात्रों के मुताबिक सत्य निकेतन और आसपास के इलाके में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों के छात्र पीजी में रहते हैं। इनमें नेहरू कॉलेज, रामलाल आनंद कॉलेज, एआरएसडी समेत कई कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल हैं। छात्रों का कहना है कि बड़ी संख्या में कॉलेजों में पर्याप्त हॉस्टल सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें निजी पीजी का सहारा लेना पड़ता है।

- ‘सत्य निकेतन भवन हादसे’ में निलंबन के बाद पुरानी कार्यशैली पर उठे सवाल
- 2025 में डीसी कार्यालय से चंद कदम दूर अवैध निर्माण पर नहीं की थी कार्रवाई

‘नरेला जोन में डीसी रहते भी अवैध निर्माण पर सवालों के घेरे में रहे राकेश कुमार’

दया राम ॥ नई दिल्ली

दिल्ली के आरके पुरम के ‘सत्य निकेतन भवन हादसे’ के बाद दिल्ली नगर निगम के आला अधिकारियों की जिम्मेदारी और निगरानी व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। हादसे के बाद निलंबित किए गए निगम अधिकारियों में शामिल दक्षिण जोन के उपायुक्त राकेश कुमार की पूर्व तैनाती के दौरान अवैध निर्माण से जुड़ी शिकायतों को लेकर भी सवाल सामने आ रहे हैं। वर्ष 2025 में नरेला जोन के उपायुक्त रहते हुए उनके कार्यालय से महज कुछ कदम की दूरी पर कथित अवैध निर्माण की शिकायत सामने आई थी। शिकायत के बावजूद तत्काल

‘डीसी की कुर्सी सिर्फ फाइलों की निगरानी के लिए नहीं’

निगम उपायुक्त जोन स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अधिकारी होता है। उसके अधीन भवन विभाग समेत विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली होती है। इसलिए जनहित में यह अपेक्षा रहती है कि शिकायत मिलते ही उसकी जमीनी जांच, रिकॉर्ड की पड़ताल और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित हो। अवैध निर्माण की शिकायत को लंबित रखना या संबंधित अधिकारी से रिपोर्ट आने का इंतजार करते रहना तभी उचित हो सकता है, जब उसके साथ समयबद्ध निगरानी और कार्रवाई की स्पष्ट व्यवस्था हो। अन्यथा ऐसी देरी भविष्य में गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है।

कार्रवाई और स्पष्ट स्थिति बताने में देरी का आरोप लगाया गया था। यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि निगम के उपायुक्त का पद केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है। जोन में भवन निर्माण नियमों का पालन, अवैध निर्माण पर कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों की निगरानी भी निगम व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में

यदि उपायुक्त कार्यालय के आसपास ही नियमों के उल्लंघन की शिकायत सामने आए और लंबे समय तक स्थिति स्पष्ट न हो, तो निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि निगम उपायुक्त के कार्यालय के आसपास कथित अवैध निर्माण की शिकायत पर भी समय रहते स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाती, तो दूर-दूराले के इलाकों में

आम नागरिक किससे उम्मीद करें? अब जरूरत है कि निगम की हर जोनल व्यवस्था में ‘शिकायत मिली-जांच हुई-कार्रवाई हुई’ की जवाबदेह व्यवस्था बने। डीसी स्तर के अधिकारी नियमों के अनुसार निष्पक्ष निष्पक्ष लें, क्योंकि एक अधिकारी की फाइल पर की गई देरी किसी परिवार के लिए जिंदगी और मौत का सवाल बन सकती है।

खबर संक्षेप

12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पीआरवी वाहन रवाना किया गया। जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ मलखान सिंह ने पीआरवी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तिलकामांझी विवि में पानी ही पानी, चल रहा नाव भागलपुर। बिहार गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। अब बाढ़ ने तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय को अपनी चपेट में ले लिया है। प्रशासनिक भवन और परीक्षा भवन के निचले तल की शाखाओं में भी पानी भर गया है। इस कारण प्रशासनिक भवन आने जाने के लिए सोमवार को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दो नाव चलाई गई। वहां के जरूरी दस्तावेजों और फाइलों को सुरक्षित कर लिया गया।

रेल हादसा:आपात स्थिति में पहुंचेगी रिस्टोरेशन टीम रांची। रांची रेलमंडल के किसी इलाके में रेल हादसा हो तो रेलवे ने राहत पहुंचाने के लिए विशेष पहल की है। घटनास्थल तक क्यूआरटी टीम को रेलमार्ग से पहुंचने में विलंब न हो, इसके लिए सड़क मार्ग से कम समय में पहुंचने के लिए रांची रेलमंडल को रोड मोबाइल रिस्टोरेशन वैन उपलब्ध करावा दी गई है। यह वैन सड़क मार्ग से रेलवे के दुर्घटनाग्रस्त इलाकों में पहुंचेगी।

पेज एक का शेष

डीएसी ने दी 1.10 लाख

ब्रिज सिस्टम शामिल है। एमएमएल बिछाएंगे बारूदी सुरंगें: सेना के लिए जटिल भूभाग में तेजी के साथ बारूदी सुरंगें बिछाने में एमएमएल काफी मददगार साबित होंगे। वहीं, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) सेना और वायुसेना के लिए भी तमाम प्रकार के भूभाग, परिचालन परिस्थितियों में जरूरी मिशन को अंजाम देंगे। ट्रॉल टैंकों और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में चलाए जाने वाले अभियानों में युद्धक संरचनाओं से जुड़ी क्रासिंग उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। नौसेना को मिलेगा अरुद्धा रडार : मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने नौसेना के लिए अरुद्धा रडार और मरीन गैस ट्वॉइन (एएजीटी) के डिजाइन, विकास के साथ खरीद को अमलीजामा पहनाने की मंजूरी दी गई है। अरुद्धा रडार नौसेना के विभिन्न स्टेशनों पर इस्तेमाल किए जा रहे एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेंगे। एमजीटी युद्धपोतों की प्रणेोधन प्रणाली है। जिसके विकास से स्वदेशी उपकरणों को बढ़ावा मिलेगा और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता घटेगी।

मग्न में होटल और...

विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। मग्न में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके सक्ष कंधे से कंधा मिलाकर रखी होगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूआई के 'हट्टा इकोनॉमिक जोन डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' (एचईजेडडीपी) और विशेष औद्योगिक पार्कों के विकास मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश भी आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर व विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके साथ ही, 'दुबई फ्यूचर फाउंडेशन' के सीईओ के रूप में एचई अल मरी ने मग्न में भी इसी प्रकार के नवाचार और भविष्योन्मुखी फाउंडेशन स्थापित करने की दिशा में तकनीकी एवं रणनीतिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में दिलिप गण निर्णयों और पूर्व में साझा की गई निवेश प्राथमिकताओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख क्षेत्रों में निवेश और नीतिगत सहयोग पर गहन चर्चा :

उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के मध्य खनन (माइनिंग), टेक्सटाइल, वन (फॉरेस्ट) एवं पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मग्न सरकार की पारदर्शी नीतियों, भूमि स्वामित्व नियमों, श्रम सुधारों और विदेशी निवेशकों के लिए उपलब्ध

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में दोहरी उपलब्धि

राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 बना लखनऊ

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली/लखनऊ

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी उपलब्धि हासिल करने के बाद लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से उनके शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। महापौर ने उन्हें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत लखनऊ को मिली उपलब्धियों की जानकारी दी।

सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ को नेशनल लेवल बेस्ट परफॉर्मिंग सिटीज़ में रैंक-1 प्राप्त हुआ है। वहीं, नगर निगम के जोन-4 स्थित वार्ड संख्या 70 ने नेशनल बेस्ट

परफॉर्मिंग वार्ड में भी पहला स्थान हासिल किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए लखनऊवासियों, महापौर, पार्षदों और नगर निगम की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में लखनऊ का राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है।

लखनऊ को 1 करोड़ 50 लाख का नगद पुरस्कार महापौर ने बताया कि नेशनल क्लीन एयर सिटी रैंक-1, कैटेगरी-1 में लखनऊ को 1 करोड़ 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार मिला है। वहीं वार्ड संख्या 70 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिलने पर 50 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

तिलकामांझी विवि में पानी ही पानी, चल रहा नाव भागलपुर। बिहार गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। अब बाढ़ ने तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय को अपनी चपेट में ले लिया है। प्रशासनिक भवन और परीक्षा भवन के निचले तल की शाखाओं में भी पानी भर गया है। इस कारण प्रशासनिक भवन आने जाने के लिए सोमवार को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दो नाव चलाई गई। वहां के जरूरी दस्तावेजों और फाइलों को सुरक्षित कर लिया गया।

रेल हादसा:आपात स्थिति में पहुंचेगी रिस्टोरेशन टीम रांची। रांची रेलमंडल के किसी इलाके में रेल हादसा हो तो रेलवे ने राहत पहुंचाने के लिए विशेष पहल की है। घटनास्थल तक क्यूआरटी टीम को रेलमार्ग से पहुंचने में विलंब न हो, इसके लिए सड़क मार्ग से कम समय में पहुंचने के लिए रांची रेलमंडल को रोड मोबाइल रिस्टोरेशन वैन उपलब्ध करावा दी गई है। यह वैन सड़क मार्ग से रेलवे के दुर्घटनाग्रस्त इलाकों में पहुंचेगी।

पेज एक का शेष

डीएसी ने दी 1.10 लाख

ब्रिज सिस्टम शामिल है। एमएमएल बिछाएंगे बारूदी सुरंगें: सेना के लिए जटिल भूभाग में तेजी के साथ बारूदी सुरंगें बिछाने में एमएमएल काफी मददगार साबित होंगे। वहीं, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) सेना और वायुसेना के लिए भी तमाम प्रकार के भूभाग, परिचालन परिस्थितियों में जरूरी मिशन को अंजाम देंगे। ट्रॉल टैंकों और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में चलाए जाने वाले अभियानों में युद्धक संरचनाओं से जुड़ी क्रासिंग उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। नौसेना को मिलेगा अरुद्धा रडार : मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने नौसेना के लिए अरुद्धा रडार और मरीन गैस ट्वॉइन (एएजीटी) के डिजाइन, विकास के साथ खरीद को अमलीजामा पहनाने की मंजूरी दी गई है। अरुद्धा रडार नौसेना के विभिन्न स्टेशनों पर इस्तेमाल किए जा रहे एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेंगे। एमजीटी युद्धपोतों की प्रणेोधन प्रणाली है। जिसके विकास से स्वदेशी उपकरणों को बढ़ावा मिलेगा और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता घटेगी।

मग्न में होटल और...

विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। मग्न में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके सक्ष कंधे से कंधा मिलाकर रखी होगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूआई के 'हट्टा इकोनॉमिक जोन डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' (एचईजेडडीपी) और विशेष औद्योगिक पार्कों के विकास मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश भी आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर व विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके साथ ही, 'दुबई फ्यूचर फाउंडेशन' के सीईओ के रूप में एचई अल मरी ने मग्न में भी इसी प्रकार के नवाचार और भविष्योन्मुखी फाउंडेशन स्थापित करने की दिशा में तकनीकी एवं रणनीतिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में दिलिप गण निर्णयों और पूर्व में साझा की गई निवेश प्राथमिकताओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख क्षेत्रों में निवेश और नीतिगत सहयोग पर गहन चर्चा :

उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के मध्य खनन (माइनिंग), टेक्सटाइल, वन (फॉरेस्ट) एवं पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मग्न सरकार की पारदर्शी नीतियों, भूमि स्वामित्व नियमों, श्रम सुधारों और विदेशी निवेशकों के लिए उपलब्ध

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में दोहरी उपलब्धि

राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 बना लखनऊ

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली/लखनऊ

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी उपलब्धि हासिल करने के बाद लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से उनके शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। महापौर ने उन्हें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत लखनऊ को मिली उपलब्धियों की जानकारी दी।

सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ को नेशनल लेवल बेस्ट परफॉर्मिंग सिटीज़ में रैंक-1 प्राप्त हुआ है। वहीं, नगर निगम के जोन-4 स्थित वार्ड संख्या 70 ने नेशनल बेस्ट

परफॉर्मिंग वार्ड में भी पहला स्थान हासिल किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए लखनऊवासियों, महापौर, पार्षदों और नगर निगम की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में लखनऊ का राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है।

लखनऊ को 1 करोड़ 50 लाख का नगद पुरस्कार महापौर ने बताया कि नेशनल क्लीन एयर सिटी रैंक-1, कैटेगरी-1 में लखनऊ को 1 करोड़ 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार मिला है। वहीं वार्ड संख्या 70 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिलने पर 50 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

हरियाणा-यूपी-बिहार -झारखंड हरिभूमि 7

सुरक्षित एवं तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध सरकार

हरिभूमि न्यूज ►►लखनऊ

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर उच्च शिक्षा संस्थानों में एक समान छात्र मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक में प्रस्तावित नीति के विभिन्न पहलुओं, इसके प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा एम. पी. अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दे रही है...

हरियाणा सीएम सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में निर्णय

प्रदेश के दसवीं और बारहवीं के पांच लाख विद्यार्थियों को मिलेंगे टैबलेट

हरिभूमि न्यूज ►►चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने हाई पावर्ड वक्र्स परचेज कमेटी की बैठक में भी आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ जलापूर्ति, बिजली और सड़क से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। हाई पावर्ड वक्र्स परचेज कमेटी समक्ष कुल 12 एजेंडा रखे गए, जिनकी कुल अनुमानित लागत 473.17 करोड़ रुपये थी। इनमें से 3 एजेंडा री-टेंडर किए जाने के बाद शेष 9 एजेंडा प्रस्तावों का कुल मूल्य 297.46 करोड़ रुपये रहा। विभिन्न बौलीदाताओं के साथ विस्तृत नैगोसिएशन के उपरांत इन कार्यों को दूरे पुनर्निर्धारित की गई, जिससे प्रस्तावों का मूल्य 283.20 करोड़ रुपये तय हुआ और लगभग 14.26 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई।

विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी

चंडीगढ़। वहीं हरियाणा निवास में हाई पावर्ड वक्र्स परचेज कमेटी की बैठक में भी आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ जलापूर्ति, बिजली और सड़क से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। हाई पावर्ड वक्र्स परचेज कमेटी समक्ष कुल 12 एजेंडा रखे गए, जिनकी कुल अनुमानित लागत 473.17 करोड़ रुपये थी। इनमें से 3 एजेंडा री-टेंडर किए जाने के बाद शेष 9 एजेंडा प्रस्तावों का कुल मूल्य 297.46 करोड़ रुपये रहा। विभिन्न बौलीदाताओं के साथ विस्तृत नैगोसिएशन के उपरांत इन कार्यों को दूरे पुनर्निर्धारित की गई, जिससे प्रस्तावों का मूल्य 283.20 करोड़ रुपये तय हुआ और लगभग 14.26 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई।

लाडो लक्ष्मी लाभार्थियों को अन्य योजनाओं का लाभ भी मिलेगा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए शुरू की है और इस योजना का लाभ लेने वाली अथवा इसके लिए पंजीकरण करवाने वाली किसी भी माता-बहन को किसी भी अन्य सरकारी योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जाएगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले परिवार की अधिकतम आय 1 लाख रुपये होने की शर्त थी जिसे अब बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ विपक्षी दलों के नेता महिलाओं के बीच यह झग फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि महिलाओं ने लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पंजीकरण किया तो उनके अन्य पेंशन जैसे लाभ बंद हो जाएंगे।

गुरुग्राम में सिद्धार्थ यादव का भव्य अभिनंदन, उमड़ा जनसैलाब

गुरुग्राम। रविवार देर शाम गुरुग्राम के माता मंदिर रोड स्थित शुभ वाटिका में भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक "सिद्धार्थ यादव" के अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। "Youth Leads Gurugram Forum" द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।कार्यक्रम में भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य "डॉ. सुधा यादव", भाजपा प्रदेश महामंत्री सरयप्रकाश जरावत, प्रदेश मंत्री हरविंदर कोहली, सोहना विधायक तेजपाल तवर, जिला अध्यक्ष अजीत यादव और सर्वप्रिय त्यागी, महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, भाजपा नेता बोधराज सौकरी, तिलकराज मल्होत्रा, पूर्व मेयर मधु आजाद, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल यादव सहित पार्टी एवं समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सिद्धार्थ यादव को शुभकामनाएं देने के लिए बड़ी संख्या में पार्षद, गुरुग्राम जिले के विभिन्न गांवों के सरपंच, अलग-अलग सामाजिक एवं सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा युवा भी समारोह में पहुंचे। कार्यक्रम में लोकगीतों की प्रस्तुति हुई और सिद्धार्थ यादव की सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन की यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।अपने संबोधन में सिद्धार्थ यादव ने कहा कि अभिनंदन मेरा नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी का होना चाहिए, जिन्होंने मुझ जैसे एक

गुरुग्राम में सिद्धार्थ यादव का भव्य अभिनंदन, उमड़ा जनसैलाब

गुरुग्राम। रविवार देर शाम गुरुग्राम के माता मंदिर रोड स्थित शुभ वाटिका में भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक "सिद्धार्थ यादव" के अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। "Youth Leads Gurugram Forum" द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।कार्यक्रम में भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य "डॉ. सुधा यादव", भाजपा प्रदेश महामंत्री सरयप्रकाश जरावत, प्रदेश मंत्री हरविंदर कोहली, सोहना विधायक तेजपाल तवर, जिला अध्यक्ष अजीत यादव और सर्वप्रिय त्यागी, महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, भाजपा नेता बोधराज सौकरी, तिलकराज मल्होत्रा, पूर्व मेयर मधु आजाद, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल यादव सहित पार्टी एवं समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सिद्धार्थ यादव को शुभकामनाएं देने के लिए बड़ी संख्या में पार्षद, गुरुग्राम जिले के विभिन्न गांवों के सरपंच, अलग-अलग सामाजिक एवं सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा युवा भी समारोह में पहुंचे। कार्यक्रम में लोकगीतों की प्रस्तुति हुई और सिद्धार्थ यादव की सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन की यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।अपने संबोधन में सिद्धार्थ यादव ने कहा कि अभिनंदन मेरा नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी का होना चाहिए, जिन्होंने मुझ जैसे एक

बहु निकली दवा कारोबारी की हत्या की मास्टरमाइंड

कानपुर। यूपी के कानपुर में दवा कारोबारी ससुर की हत्या उनकी अपनी बहू ने ही कराई थी। सोमवार को पुलिस ने इसका खुलासा कर दिया। बहू ने ही पूर्व कर्मचारी को छह लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस की पूछताछ में बहू टूट गई और हत्या कराने की बात कुबूल कर ली। बहू ने पुलिस को बताया कि ससुर बेवजह रोक-टोक कने लगे थे। घर में सीसीटीवी लगाकर प्राइवसी भी बंद कर दी थी। ससुर की हरकत से परेशान होकर उसने हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने बहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके साथ ही मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों सुपारी किलर भी जेल भेजे गए हैं।

सपा सांसद ने लगाए आरोप

सहारनपुर में ‘आपातकाल’ जैसे हालात सर्किट हाउस में रोके जाने पर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ►►सहारनपुर

सपा प्रतिनिधिमंडल को सहारनपुर में सर्किट हाउस में रोके जाने को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। समाजवादी पार्टी के सांसद हरेन्द्र मलिक ने आरोप लगाया कि सहारनपुर में आपातकाल जैसे हालात हैं। उन्होंने कहा कि सपा के प्रतिनिधिमंडल को सर्किट हाउस में नजरबंद कर दिया गया है।सपा प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, सांसद इकरा हसन और सांसद हरेन्द्र मलिक शामिल हैं। तीनों नेता अलग-अलग समय पर सर्किट हाउस पहुंचे। सर्किट हाउस के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उधर, संबंधित मस्जिद स्थल पर मिले कुएं की जांच का काम एएसआई ने शुरू कर दिया है। जांच के दौरान कुएं से वर्ष 1909 की बनी एक ईंट

बालवाटिका के बच्चों में भाषा, कल्पनाशीलता व रचनात्मक सोच विकसित करने पर जोर

मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा की मजबूत नींव बालवाटिका स्तर से ही तैयार करने की दिशा में सीखने को बच्चों के लिए सहज, आनंदमय और रचनात्मक अनुभव से जोड़ रही है। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर को प्रदेश के सभी को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों एवं बालवाटिकाओं तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में 'आओ सुनें और सुनाएं कहानी' गतिविधि आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य कहानी के माध्यम से बच्चों में सुनने, समझने, अपनी बात कहने, कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को विकसित करना है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी के निर्देशों के क्रम में जारी कार्यक्रम में बालवाटिका के साथ डाउट स्तर पर भी गतिविधियों के आयोजन और स्थानीय नवाचारों को शामिल करने पर जोर दिया गया है।

कहानी बनेगी सीखने का सहज माध्यम

योजना के अनुसार स्वागत समर्थ और स्वतंत्र खेल गतिविधि के बाद कहानी सत्र में 'आओ सुनें और सुनाएं कहानी' गतिविधि कराई जाएगी। इसे बच्चों के सामाजिक एवं मानवत्मक विकास से जोड़ते हुए कहानी समय के सत्र में आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तर से उपलब्ध बिग बुक या स्थानीय कहानी में से बच्चों की आयु के अनुरूप कहानी का चयन होगा। कहानी से बच्चों की नैतिक संवेष्टा भी मिल सकेगी। कहानी सुनाने के दौरान बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को ध्यान में रखते हुए प्रश्न पूछे जाएंगे।

चिंतन

जिंदगी पर भारी नगर निकायों की उदासीनता

देश में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था इसलिए विकसित की गई थी कि शहरों और कस्बों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर हो। नगर निगम, नगर पालिका और अन्य स्थानीय संस्थाओं को अधिकार दिए गए, जिम्मेदारियां सौंपी गईं और उनसे उम्मीद की गई कि वे नागरिकों को सुरक्षित और बेहतर जीवन देंगे, लेकिन आज यही संस्थाएं कई जगह नागरिकों की सुरक्षा के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही हैं। सड़कों से लेकर नालों तक और इमारतों से लेकर जल निकासी व्यवस्था तक, लापरवाही का असर सीधे लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है। दिल्ली में बहुमंजिला हॉस्टल गिरने की हालिया घटना इसका जीता जागता उदाहरण है। इस हादसे में सात लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद जांच और कार्रवाई का दौर शुरू हुआ। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए दिल्ली नगर निगम, सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने हॉस्टलों की खराब स्थिति पर चिंता जताई और संबंधित सरकारों तथा संस्थाओं से जवाब मांगा है। पुलिस ने हॉस्टल मालिक को भी गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरफ्तारी और जांच से बड़ा सवाल यह है कि जिस इमारत में छात्र रह रहे थे, उसकी स्थिति हादसे से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी को क्यों नहीं दिखाई दी? यही सवाल हर उस हादसे के बाद उठता है, जिसमें व्यवस्था की लापरवाही किसी की जिंदगी छीन लेती है। मैनहोल खुला हो तो हादसा होने के बाद उसे बंद किया जाता है। सड़क पर गड्ढा हो तो दुर्घटना के बाद मरम्मत होती है। जर्जर इमारत हो तो उसके गिरने के बाद नोटिस और जांच शुरू होती है। बारिश का जलभराव हो तो पानी उतरने के बाद नालों की सफाई का दावा किया जाता है। आग लगने के बाद अग्निसुरक्षा नियमों की याद आती है। यानी प्रशासन की सक्रियता नागरिक की सुरक्षा से नहीं, हादसे से तय होती है। दिल्ली, एनसीआर, मुंबई और दूसरे बड़े शहरों में अनियोजित निर्माण ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। शहर फैलते गए, इमारतें ऊंची होती गईं, लेकिन उनके अनुरूप बुनियादी ढांचा और निगरानी तंत्र मजबूत नहीं हुआ। कई जगह भवन नियम कागजों में सख्त हैं, लेकिन जमीन पर उनका पालन कराने वाला तंत्र कमजोर है। इससे भी गंभीर स्थिति तब पैदा होती है जब नियमों को लागू करने में राजनीतिक हस्तक्षेप आड़े आता है। स्थानीय दबाव, सिफारिश और राजनीतिक संरक्षण जैसे नियमों से ऊपर हो जाएं तो फिर नागरिक की सुरक्षा सबसे पीछे चली जाती है। यह भी समझना होगा कि हर हादसे के लिए केवल भवन मालिक या ठेकेदार को दोषी ठहराकर नगर निकाय अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। आखिर भवन का नक्शा किसने पास किया? निरीक्षण किसने किया? निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब तय करेंगे कि गलती वास्तव में कहां हुई। प्रत्येक शहर में जर्जर इमारतों का नियमित सर्वे, खुले मैनहोल की तत्काल मरम्मत, जलभराव वाले स्थानों की स्थायी योजना और भवन नियमों के उल्लंघन पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। निरीक्षण की व्यवस्था को पारदर्शी और राजनीतिक दबाव से मुक्त करना होगा। अब वक्त हादसे के बाद जागने का नहीं, हादसे से पहले खतरा पहचानने का है। क्योंकि नगर निकायों की एक छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार के लिए जिंदगी भर का मातम बन सकती है।

दिल्ली हादसा डॉ घनश्याम बादल



मलबे में दबते सपने और बिके हुए सुरक्षा मानक

कहीं भी जब कोई इमारत गिरती है तो कुछ घंटे के लिए लोगों की सांस थम जाती है। कैमरे मलबे पर टिक जाते हैं, राहतकर्मी ईट-पत्थरों के बीच जिंदगी तलाशते हैं, नेता घटसास्थल पर पहुंचते हैं और प्रशासन सक्रिय दिखाई देने लगता है। फिर बयान आते हैं। 'जांच होगी', दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, 'मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। सवाल मगर वहीं खड़ा रहता है। जिस इमारत को गिरने से पहले बचाया जा सकता था, उसे गिरने ही क्यों दिया गया? दिल्ली में ढही इमारत कोई अकेली घटना नहीं है। राजधानी और देश के दूसरे शहरों में इमारतों के ढहने, आग लगने और अवैध निर्माण से होने वाली दुर्घटनाएं बार-बार बता रही हैं कि समस्या ईट-पत्थर की नहीं, व्यवस्था की है। पुराना राजेंद्र नगर हो, जहां बेसमेंट में पानी भरने से तीन प्रतियोगी परीक्षार्थियों की जान गई थी, या राजकोट का गेम जोन, जहां आग ने कई परिवारों को उजाड़ दिया- हर घटना के बाद एक ही तस्वीर उभरती है, नियम मौजूद थे, जिम्मेदार विभाग मौजूद थे, लेकिन जिम्मेदारी गायब थी। आखिर ऐसा क्यों है? इमारतें अचानक नहीं गिरती। उनके गिरने की पटकथा महीनों और कई बार वर्षों में लिखी जाती है। कहीं नकशे से खिलवाड़ होता है, कहीं मॉजलें बढ़ाई जाती हैं, कहीं घंटिया सामग्री इस्तेमाल होती है, कहीं बेसमेंट का उपयोग बदल दिया जाता है। शिकायतें भी होती हैं। निरीक्षण भी होते हैं। कागज भी चलते हैं। फिर भी अवैध निर्माण खड़ा रहता है। क्या हमारी व्यवस्था की आंखें तभी खुलती हैं जब मलबे में से कोई शव निकलता है? यही सवाल प्रशासन से है और उससे भी ज्यादा उस भ्रष्ट तंत्र से, जिसमें नियम कानून की किताब में रहते हैं और उनका उल्लंघन बाजार में खुलेआम चलता है। हादसा हुआ नहीं कि संवेदना का बाजार सज गया। टूटीट, बयान, दौरे, मुआवजे और जांच के आदेश। मगर जनता पृथ्वी है-जांच हादसे के बाद ही क्यों? क्या किसी नेता या अधिकारी को यह पता नहीं होता कि उसके क्षेत्र में किनसे भवन अवैध हैं? कितने बेसमेंट में कोचिंग चल रही है? कितने पीजी में क्षमता से दोगुने-तीन गुने विद्यार्थी रह रहे हैं? कितनी इमारतों में अग्नि निकास केवल कागज पर है? यदि पता है तो कार्रवाई क्यों नहीं? यदि पता नहीं है तो फिर प्रशासन कर क्या रहा है? इस सवाल का एक दूसरा पहलु भी है, जिससे अक्सर हादसे की सनसनी में भुला दिया जाता है- वे कच्चे और युवा, जो इन असुरक्षित इमारतों में रहने को मजबूर हैं। गांव का किसान अपने बेटे को दिल्ली भेजता है। छोटा दुकानदार अपनी बेटी को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए शहर भेजता है। परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करता है, क्योंकि उसे उम्मीद है कि पढ़ाई से अगली पीढ़ी की जिंदगी बदल जाएगी। लेकिन शहर में पहुंचते ही यह सपना एक महंगे बाजार में प्रवेश कर जाता है। कोचिंग की फीस अलग, पीजी का किराया अलग, भोजन अलग, बिजली अलग, इंटरनेट अलग और लाइब्रेरी की फीस अलग। सुरक्षित आवास महंगा है तो विद्यार्थी सस्ता पीजी चुनता है। कमरे में चार की जगह आठ रह जाते हैं। पार्किंग के लिए बना बेसमेंट लाइब्रेरी बन जाता है। आवासीय भवन में कोचिंग शुरू हो जाती है। विद्यार्थी को ज्ञान देने के नाम पर करोड़ों का कारोबार करने वालों के लिए उसकी सुरक्षा की कीमत इतनी कम क्यों है? राजेंद्र नगर की घटना के बाद बेसमेंट में चल रहे कोचिंग और लाइब्रेरी परिसरों पर कार्रवाई हुई। कई संस्थान सील किए गए, नोटिस दिए गए और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। मगर सवाल फिर वही है। अगर नियम पहले से थे तो उन्हें लागू करने के लिए तीन जिंदगियों की बलि क्यों चाहिए थी? हमारी सबसे बड़ी विडंबना है। हम हादसों के बाद जागते हैं और कुछ समय बाद फिर सो जाते हैं। राजकोट की आग ने भी यही बताया। अग्नि सुरक्षा, निकास और निर्माण संबंधी नियमों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है, देश ने देखा। बात केवल इमारतों की नहीं है। बात उस भरोसे की है जिसके सहारे गांव का एक पिता अपना बच्चा महानगर भेजता है। मलबे से शव निकाल लेना राहत कार्य है। मलबा बनने से पहले इमारत को रोक देना शासन है। मुआवजा देना संवेदना है। हादसा न होने देना जिम्मेदारी है। इसलिए दिल्ली की आज की घटना पर केवल शोक मत कीजिए। सवाल पृष्ठिए, किसने बनाया, किसने अनुमति दी, किसने जांच की, किसने अनदेखा किया और किसने लाभ उठाया? इसके विचार के गिरने की आवाज कुछ सेकंड की होती है, लेकिन उसके नीचे दबे परिवारों का दुख पूरी जिंदगी चलता है और याद रखिए, इमारतें अचानक नहीं गिरतीं। पहले नियम गिरते हैं, फिर ईमानदारी, फिर जवाबदेही और अंत में छत।

(लेखक स्वतंत्र रसिकभार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्राओमकार चौधरी

दुनिया की आर्थिक और

रणनीतिक व्यवस्था में बदलाव

अब केवल व्यापार और मुद्रा

तक सीमित नहीं रह गया है ।

कई देश अपनी सबसे

महत्वपूर्ण संपत्ति सोने को

लेकर नए सिर से सोच रहे हैं ।

अमेरिका और उसकी वित्तीय

व्यवस्था पर दशकों से कायम

भरोसे के बावजूद कुछ देश

विदेशों में रखे अपने स्वर्ण

भंडार को वापस ला रहे हैं या

उसका स्थान बदल रहे हैं ।

रुस पर लगे प्रतिबंधों और

उसकी अरबों डॉलर की विदेशी

संपत्तियों पर रोक ने इस चिंता

को और गहरा किया है । यह

अमेरिका से दूरी बनाने की

औपचारिक मुहिम नहीं, बल्कि

जोरखिम घटाने और अपनी

संपत्तियों पर अधिक नियंत्रण

हासिल करने की बदलती

वैश्विक रणनीति है ।



क्या अमेरिका ने भरोसा खो दिया

दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में पिछले कुछ वर्षों से एक ऐसा बदलाव दिखाई दे रहा है, जो पहली नजर में केवल सोने के भंडारण से जुड़ा मामला लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे बहुत गहरे राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी कारण छिपे हैं। कई देश अब यह सोच रहे हैं कि उनका सोना और विदेशी संपत्ति दूसरे देशों, खासकर अमेरिका में कितनी सुरक्षित है। कुछ देशों ने अमेरिका में रखा अपना सोना वापस मंगाना शुरू किया है, कुछ ने उसका हिस्सा घटाय़ा है और कुछ इस दिशा में विचार कर रहे हैं। यह प्रक्रिया अभी इतनी बड़ी नहीं है कि इसे अमेरिका के खिलाफ वैश्विक विद्रोह कहा जाए, लेकिन इसे केवल सामान्य वित्तीय फेरबदल मान लेना भी उचित नहीं होगा। यह उस बदलती सोच का संकेत है जिसमें देश अपनी सबसे महत्वपूर्ण संपत्तियों पर सीधा नियंत्रण चाहते हैं। लंबे समय तक अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति, सबसे सुरक्षित वित्तीय केंद्र और सबसे विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार माना जाता रहा। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका डॉलर को वैश्विक व्यापार और विदेशी मुद्रा भंडार में केंद्रीय स्थान मिला। न्यूयॉर्क और अन्य अमेरिकी वित्तीय केंद्रों में अनेक देशों का सोना रखा गया। इसकी वजह भी व्यावहारिक थी। अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था मजबूत थी, वहां बड़े पैमाने पर सोने का कारोबार होता था और जरूरत पड़ने पर सोने को बेचना, गिरवी रखना या उसके बदले धन जुटाना आसान था। इसलिए यूरोप सहित कई देशों ने दशकों तक अपने स्वर्ण भंडार का महत्वपूर्ण हिस्सा अमेरिका में रखा।

अब यही व्यवस्था सवालों के घेरे में है। हाल के वर्षों में यूरोप के कुछ देशों ने अमेरिका में रखा अपना सोना कम करना शुरू किया है। नीदरलैंड के केंद्रीय बैंक ने 2026 में अमेरिका और कनाडा में रखा लगभग 86 टन सोना हटाकर लंदन स्थानांतरित किया। इसके बाद न्यूयॉर्क में रुस उसका स्वर्ण हिस्सा लगभग 31 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत के आसपास रह गया। नीदरलैंड के केंद्रीय बैंक का तर्क था कि बदलते भू-राजनीतिक माहौल में स्वर्ण भंडार को अलग-अलग सुरक्षित स्थानों पर रखना बेहतर है और लंदन में रखा सोना संकट के समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। फ्रांस ने भी अमेरिका में रखा एक बड़ा हिस्सा हटाया, लेकिन उसके मामले को थोड़ा अलग तरीके से समझना जरूरी है। फ्रांस ने न्यूयॉर्क में रखे लगभग 129 टन पुराने सोने को बेचकर यूरोप में नए मानकों के अनुरूप सोना खरीदा। इसलिए इसे केवल अमेरिका पर अविश्वास का मामला नहीं कहा जा सकता। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि फ्रांस ने अपनी व्यवस्था में बदलाव किया और भंडार

को यूरोप के भीतर अधिक नियंत्रित ढांचे में रखा। जर्मनी का उदाहरण और भी पुराना है। उसने 2013 से 2017 के बीच लगभग 300 टन सोना अमेरिका से वापस फ्रैंकफर्ट मंगाया था। हालांकि जर्मनी का एक बड़ा हिस्सा आज भी न्यूयॉर्क में रखा है। जर्मन केंद्रीय बैंक अब भी सार्वजनिक रूप से कहता है कि उसका सोना सुरक्षित है। इसके बावजूद जर्मनी के भीतर समय-समय पर यह बहस उठती रहती है कि राष्ट्रीय संपत्ति का इतना बड़ा हिस्सा विदेश में क्यों रखा जाए। इटली में भी यही सवाल उठ रहा है, क्योंकि उसके स्वर्ण भंडार का बड़ा हिस्सा अमेरिका में है। इस समय इटली ने कोई बड़ा वापसी अभियान नहीं



चलाया है, लेकिन बहस वहां भी तेज हुई है। इस पूरे बदलाव के पीछे सबसे बड़ा मोड़ रुस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को माना जा रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रुस के केंद्रीय बैंक की लगभग 300 अरब डॉलर की विदेशी संपत्तियों को रोक दिया। यह घटना वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चेतानवी बन गई। यही वह बिंदु है जहां सोने का महत्व फिर बढ़ता दिखाई देता है। अपने देश की तिजोरी में रखा सोना किसी विदेशी बैंक, किसी दूसरे देश की सरकार, भुगतान व्यवस्था या अंतरराष्ट्रीय मंजूरी पर निर्भर नहीं करता। अगर किसी देश की विदेश नीति अमेरिका या यूरोप से टकरा जाए तो विदेश में रखी संपत्ति पर रोक लग सकती है, लेकिन अपने देश में रखा भौतिक सोना तत्काल राजनीतिक दबाव से बचा रहता है। यही वजह है कि कई केंद्रीय बैंक अब सोने को केवल निवेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की संपत्ति के रूप में देखने लगे हैं।

दूसरी बड़ी वजह अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों और वित्तीय शक्ति के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर आशंका है। डॉलर की ताकत केवल इसलिए नहीं है कि वह मजबूत मुद्रा है, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि दुनिया का बड़ा व्यापार, बैंकिंग और भुगतान तंत्र उसी के इर्द-गिर्द बना हुआ है। इससे अमेरिका को असाधारण प्रभाव मिलता है।

ईश्वर की प्राप्ति

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सतोऽगुणी अंश है। मानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय को ‘उपासना’ कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत् की ओर चलना है। जिसने जितना ही सलगुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत् तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत्त्वत्त की आराधना है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

ब्रिटेन सरकार की प्रवासियों के विरोध में प्रदर्शन पर नाराजगी

ब्रिटेन सरकार ने सोमवार को इंग्लिश चैनल पार कर आए प्रवासियों के विरोध में दक्षिणी इंग्लैंड के एक बंदरगाह पर प्रदर्शन करने वाले प्रवासी विरोधी प्रदर्शनकारियों के ‘डराने-धमकाने वाले और उग्र व्यवहार’ की निंदा की। रविवार देर रात पोर्ट्समाउथ में सैकड़ों प्रदर्शनकारी पुलिस के सामने आ गए । इनमें से कई ने काले कपड़े पहन रखे थे और चेहरे ढक रखे थे। प्रदर्शनकारियों ने प्रवासियों को किनारे लाने वाली बचाव नौकाओं को रोकने का प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने नए आए प्रवासियों को शरणार्थी आवेदन प्रक्रिया केंद्र तक ले जाने वाली बसों को भी रोकने की कोशिश की। सरकार ने एक बयान में कहा, ‘‘ शक्तिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र का मूल हिस्सा है, लेकिन इसे कभी भी अत्यवस्था की सीमा पार नहीं करनी चाहिए ।’पोर्ट्समाउथ में हुए इस प्रदर्शन से एक दिन पहले, शनिवार को डोवर में भी ऐसा ही प्रवासी विरोधी प्रदर्शन हुआ था । डोवर ब्रिटेन का सबसे स्वस्थ नौका बंदरगाह है । वहां सैकड़ों नकाबपोश प्रवासी विरोधी प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और फ्रांस जाने वाले यात्रियों तथा मालवाहक वाहनों को परेशानी हुई ।



शरीर को कुछ समय के लिए ढुबोया जाता है, ताकि रिकवरी बेहतर हो सके । लेकिन इसके फायदे को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण मिले-जुले हैं। वर्कआउट के बाद रिकवरी तेज करने के लिए कंशेन वस्त्र आमतौर पर पहने जाते हैं । इसके पीछे विचार यह है कि इन वस्त्रों से बाहरी से पड़ने वाला दबाव रक्त संचार को बेहतर करता है, मांसपेशियों तक रक्त का प्रवाह बढ़ाता है और सूजन कम करता है । मसाज रिकवरी के उन कुछ तरीकों में से एक है, जिसके समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण काफी हद तक लगातार मिलते रहे हैं ।

मन का भोजन हमारे विचार हैं



संकलित प्रेरणा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों और अन्य लोगों को उपदेश दे रहे थे। सत्संग में काफी लोग बैठे हुए थे। भीड़ में से एक व्यक्ति उठा और उसने बुद्ध से पूछा कि तथगत मैं जब ध्यान करने बैठता हूँ तो मेरा मन ध्यान में नहीं लग पाता है। कृपया बताइए, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूँ? बुद्ध के साथ ही सत्संग में बैठे हुए लोगों ने भी ये प्रश्न सुना, लेकिन बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि कृपया फिर से अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने फिर से कहा कि मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूँ? बुद्ध ने कहा कि एक बार और अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने एक बार और अपनी बात कह दी। बुद्ध ने कहा कि हमारे विचार मन के लिए भोजन हैं। जब तक मन को विचारों का भोजन मिलता रहेगा, हम ध्यान नहीं कर सकते हैं। जब हम ध्यान करने बैठे, तब मन को विचारों का भोजन नहीं देना चाहिए, यानी सोच-विचार करना बंद कर देना चाहिए। तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। जब मन विचारों से खाली हो जाएगा, तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। बुद्ध ने उस व्यक्ति से ध्यान के बारे में प्रश्न तीन बार पूछा था और बुद्ध ने भी तीन बार इस प्रश्न का उत्तर दिया। बुद्ध ने तीन बार उत्तर दिया तो लोगों ने पूछा कि आपने इस व्यक्ति से तीन बार प्रश्न पूछा और उत्तर भी तीन बार ही दिया, ऐसा क्यों? बुद्ध ने लोगों को समझाया कि मैं इन सज्जन से तीन बार प्रश्न पूछा, क्योंकि मैं प्रश्न के लिए इनकी गंभीरता को परखना चाहता था। जब मुझे लगा कि ये अपने प्रश्न के लिए गंभीर हैं, तब मैंने उत्तर भी तीन बार दिया, ताकि मेरी बात इन्हें अच्छी तरह समझ आ जाए।



शोधार्थियों से आग्रह

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार हासिल करना नहीं, बल्कि आलोचनात्मक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना होना चाहिए। शोधार्थियों ऐसे विषय चुने जो समुदाय की समस्याओं का समाधान करें और समाजो्ी विकास को बढ़ावा दें। -**सी. पी. राधाकृष्णन**, उपराष्ट्रपति

आर्थिक वृद्धि बरकरार

भारत ने वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारीय कार्यक्रम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है। भारत की जीडीपी बोध 7.8 प्रतिशत रही। -**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं

पूर्ववर्ती सरकारों के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण परिणम बंगाल की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। राज्याय का लुकसान, चोरी और केंद्रीय योजनाओं में शामिल न होने के कारण राज्य व्यावहारिक रूप से दिवालिया हो गया है। हम खराब स्थिति में हैं और वित्तीय संकट से बाहर आने के लिए हमें एक वर्ष लगेगा। -**शुभेद्र अधिकारी**, सीएम, प. बंगाल

कानून-व्यवस्था जरूरी

विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है। जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। -**जोसेफ विजय**, सीएम, तमिलनाडु

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फ़ैक्स :

0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से :

hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं ।

विचार

हरिभूमि

8



क्वार्टर फाइनल में सबालेंका और अल्काराज

यूएस ओपन में गत चैंपियंस का जलवा

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

गत चैंपियन एरिना सबालेंका और कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष रैंक वाली सबालेंका ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से हराया। वहीं अल्काराज ने टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से मात दी। अब सबालेंका का सामना विम्बलडन विजेता लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिन्होंने मार्ता कोस्तियुक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया। वहीं दाहिनी कलाई में चोट के कारण चार महीने में पहला टूर्नामेंट खेल रहे अल्काराज का सामना अब अमेरिका के वैन शेल्टन से होगा, जिन्होंने स्टेफानोस सितसिपास को शिकस्त दी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी वैन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में वीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पुरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा।

नवारो ने हासिल किया क्वार्टर फाइनल का टिकट

अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेते गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्कया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्कया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्कया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकी। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्कया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 गेटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।



दलीप ट्रॉफी

ईशान ने 270 रन के स्कोर के साथ आठवां सर्वोच्च निजी स्कोर बनाया

एजेसी ►► चेन्नई

साउथ जोन के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मैच में कप्तान ईशान किशन ने 270 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर ईस्ट जोन का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन तिहरा शतक बनाने से चूक गए। लेकिन साउथ जोन के खिलाफ उन्होंने कमाल की पारी खेली और सर्वोच्च निजी स्कोर के मामले में खास उपलब्धि हासिल की। ईशान किशन 270 रन के स्कोर पर छक्का लगाने की कोशिश में आउट हुए। त्रिपूर्ण विजय की गेंद पर बाउंड्री के पास आर स्मरण के हाथों लपके गए। ईशान किशन ने 334 गेंद का सामना किया और 30 चौके व सात छक्के लगाए। उनके तिहरे शतक से ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। इस पारी में ईस्ट जोन ने कुल 163 ओवरों का सामना किया।

250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए ईशान

ईशान 250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए। वे सातवां विकेट गिरने के बाद फिर से बैटिंग को आए। इसके बाद उन्होंने 20 रन जोड़े। ईशान के पास तब मौका था कि वे तिहरा शतक लगाते और शायद इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च निजी स्कोर का रिकॉर्ड भी बनाते। ईशान के लिए इसके लिए कोशिश भी की लेकिन सफलता नहीं मिली। वे पहले दिन के खेल में जब बैटिंग के लिए आए थे तब ईस्ट जोन का स्कोर तीन विकेट पर 147 रन था। उन्होंने फिर एक छोर थाम लिया और बाकी बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम को पहाड़ से स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्हें शिखर मोहन (85), कुमार कुशाग्र (101), अनुकूल रॉय (45) और मोहम्मद कुनैन कुरैशी (40) का अच्छा साथ मिला।

700 रनों के पार ईस्ट जोन ईशान ने टोका दोहरा शतक



दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड ध्वस्त

ईशान किशन बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। कार्तिक ने साल 2010 में दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए 183 रनों की दमदार पारी खेली थी। ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर कप्तान भी हैं। ईशान वनडे इंटरनेशनल और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

किशन ने जायसवाल जडेजा को पीछे छोड़ा

किशन ने 270 रन के स्कोर के साथ दलीप ट्रॉफी में आठवां सर्वोच्च निजी स्कोर बनाया। उन्होंने यशसी जायसवाल (265) और अजय जडेजा (264) को पीछे छोड़ा। ईशान से ठीक आगे वीरेंद्र सहवाग (274), लालचंद राजपूत (275) और संजय मांजरेकर (278) ही रहे। ईशान ने सिक्स के लिए, जो शॉट खेला था अगर वह बाउंड्री पार कर जाता तो वह दलीप ट्रॉफी में सर्वोच्च निजी स्कोर के मामले में छठे स्थान पर पहुंच जाते। राजपूत और सहवाग उनसे पीछे हो जाते।

ईशान और कुमार 230 रनों की साझेदारी

ईशान किशन ने कुमार कुशाग्र के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 230 रनों की साझेदारी निभाई। कुशाग्र भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। कुशाग्र ने 132 गेंदों का सामना करते हुए 101 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 5 छक्के लगाए।

साउथ जोन के त्रिपुरण विजय इटके 4 विकेट

साउथ जोन के लिए त्रिपुरण विजय ने कुल 42 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 180 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, चामा मल्लिक और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट हासिल किए। शेख रशीद को 1 सफलता हाथ लगी।

खबर संक्षेप



पैरा तीरंदाजी : फाइनल में शीतल, प्लेआफ में सरिता

अहमदाबाद। मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज (तीसरा चरण) के तीसरे दिन सोमवार को महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। जम्मू की भुजाहीन तीरंदाज शीतल ने सरिता को 145-143 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब उनका सामना कजाखस्तान की ऐजादा सेडान से होगा। सरिता कांस्य पदक के मुकाबले में चीन की वांग हुआंगिंग से खेलेंगी। कंपाउंड पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी तोमान कुमार को शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के केन स्वागुमिलिंग ने 146-144 से हराया।

इंग्लैंड ने दिया पीटरसन को बड़ा जिम्मा, बनाया मेंटोर



लंदन। पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीमों का विशेषज्ञ मेंटोर बनाया गया है। पीटरसन इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे श्रृंखला में मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेसकोथिक, टिम साउदी, जीवन पटेल और सारा टेलर भी हैं। वह इस साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के दौरों पर भी टीम के साथ होंगे। इसके बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं और विश्व कप में टीम के साथ रहेंगे।

जूनियर डेविस कप खेलेंगे रिभाव, हृतिक और तविशा

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के शीर्ष अंडर-16 खिलाड़ी रिभाव सरोहा मिश्र की राजधानी काहिरा में 2 से 8 नवंबर तक होने वाले जूनियर डेविस कप 'फाइनल्स' में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोमवार को टीम की घोषणा की, जिसमें



रिभाव के अलावा हृतिक कटकम और तविशा पाहवा को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चेकिया, मिश्र, स्पेन, फ्रांस, हंगरी, इटली, जापान, कजाखस्तान, मोरक्को, सर्बिया, अमेरिका और वेनेजुएला जैसी दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबला करेंगी।

टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं : पडिक्कल



एजेसी ►► चेन्नई

भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और मौके भी सीमित मिलते हैं इसलिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल श्रीलंका के हालिया दौरे पर लगातार दो शतक लगाने के बावजूद किसी चीज को हल्के में नहीं ले रहे हैं। नंबर तीन पर नियमित बल्लेबाज सि सुदर्शन के पैर में चोट के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट

खेलने का मौका मिला और उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाकर इसका पूरा फायदा उठाया। पडिक्कल ने कहा, 'इन दिनों आपको सीमित मौके मिलते हैं और टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मैं सिर्फ रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम की जीत में योगदान देना चाहता हूं। जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा मुझे यकीन है कि टीम में मेरी जगह बनी रहेगी।'

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने छह पेसर



एजेसी ►► नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ने अपनी 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान टेंबा बावुमा की टीम में वापसी हुई है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक भी इस टीम का हिस्सा हैं। साउथ अफ्रीकी टीम में गेराल्ड कोएट्जी की वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार वर्ल्ड कप 2023 में वनडे फॉर्मेट खेला था।

वह कगिसो रबाडा की जगह ले रहे हैं, जो वनडे सीरीज से बाहर हैं और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टेस्ट मैचों के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीकी वनडे स्क्वॉड में 2 स्पिनर

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए छह पेसर टीम में चुने हैं। कोएट्जिया के साथ ही मार्को यानसन, क्वेना माफाका, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश और ऑंटोनो बार्टैन को जगह दी गई है। केशव महाराज और ह्यॉन फॉट्टुइन के रूप में दो बाएं हाथ के स्पिनर को लिया गया है।

19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेल

छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी का जापानी सरजमीं पर नया लक्ष्य

एजेसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता भनोरत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव 'न्यासो' के अनुभव को इस महीने होने वाले एशियाई खेलों में भुनाने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ की 23 वर्षीय ज्ञानेश्वरी की नजर 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर है। जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों में ज्ञानेश्वरी ने 53 किग्रा भार वर्ग में स्नेच और क्लीन एवं जर्क दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किग्रा भार (88 किग्रा स्नेच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ रजत पदक जीता था।



बेहतर करने की कोशिश करूंगी : ज्ञानेश्वरी

ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'तेयारी अच्छी चल रही है। मैं वहां अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूँ। राष्ट्रमंडल खेलों में मैंने 199 किग्रा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था और अब इसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी।' ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'हमें राष्ट्रमंडल खेलों के बाद ज्यादा समय नहीं मिला। हमें सिर्फ एक महीने का समय मिला। मैं स्नेच में सुधार करने की कोशिश करूंगी। अगर मैं स्नेच और क्लीन एवं जर्क दोनों में एक-एक किलोग्राम का सुधार कर पाती हूँ तो यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि होगी। किसी भी खिलाड़ी के लिए अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत बड़ी बात होती है।'

पदक जीतने की होड़

एशियाई खेलों में हालांकि ज्ञानेश्वरी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यान, दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया जैसे भारोत्तोलन के पारंपरिक मजबूत देशों के खिलाड़ी भी पदक जीतने की होड़ में होंगे। एशियाई खेलों के बाद 53 किग्रा भार वर्ग में ज्ञानेश्वरी के लिए घरेलू स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। मौजूदा समय में 48-49 किग्रा वर्ग में हिरसा ले रहीं ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू 53 किग्रा वर्ग में उतरने की तैयारी में हैं क्योंकि 2028 लॉस एंजलिस ओलंपिक में महिलाओं के लिए 53 किग्रा सबसे कम भार वर्ग होगा।

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को महिला एशिया कप के दौरान आउट करने के बाद 'अपमानजनक इशारा' करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा राना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शेफाली को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है, जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों। इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमिटेड अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनका दूसरा अपराध है। इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमिटेड अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)/
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता)
मेरे सम्मक्ष परिवारद किया गया है कि अभियुक्त साहिल उर्फ राजा पुत्र मुकेश निवासी मकान नं. डी-10, लक्ष्मण पुरी, विपिन गार्डन, उत्तम नगर दिल्ली-110059 ने एफआईआर संख्या 687 / 2022 धारा 356 / 379 / 411 / 34 भा.द.स. के तहत थाना: द्वारका नॉर्थ, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त साहिल उर्फ राजा मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त साहिल उर्फ राजा फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर संख्या 687 / 2022 धारा 356 / 379 / 411 / 34 भा.द.स. के तहत थाना: द्वारका नॉर्थ, दिल्ली के उक्त साहिल उर्फ राजा से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए दिनांक 14.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
राहुल कटार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-06
दक्षिण पश्चिम जिला कोर्ट नं.514
DP/12449/DW/2026
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2)(ii) Cr.Pc. देखें
मेरे सम्मक्ष परिवारद किया गया है कि अभियुक्त सूरज कुमार पुत्र श्याम लाल निवासी: ए-128, जेजे कॉलोनी, रघुवीर नगर, दिल्ली ने FIR No. 2022/2020 u/s 3/4/12/9/55 DPG Act 1955, थाना : ख्याला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त सूरज कुमार नहीं मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त सूरज कुमार फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR No. 2022/2020 u/s 3/4/12/9/55 DPG Act 1955, थाना : ख्याला, दिल्ली के उक्त अभियुक्त सूरज कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए दिनांक 08.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
शील रानी
जेएमएफसी-12 कमरा नं. 152,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/12681/WD/2026
(court notice)



मोर्निंग होगी मस्त क्योंकि पेट सफा है जबरदस्त

Safe for daily use

No Side Effect

No added Sugar

पेट सफा... तो हर रोग दफा

24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com • Available at all medical and general stores





Natural Laxative Granules & Tablets

खतरों का निर्णायक जवाब देने के लिए रक्षा बलों को दी गई पूरी आजादी, जरूरी संसाधन: रक्षा मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो»नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती सैन्य चुनौतियों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय सशस्त्र सेनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। जिसमें उन्होंने कहा कि रक्षा बलों को खतरों का निर्णायक और ठोस जवाब देने के लिए पूरी स्वतंत्रता और जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। इस कवायद में आवश्यकता पड़ने पर दुश्मन के इलाके में घुसकर कार्रवाई करना भी शामिल है। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि अब यह तथ्य भारत ने पूरी तरह से साफ कर दिया है कि शांति

यह जानकारी राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है।

और कमजोरी में अंतर है। हमारे देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का माकूल जवाब दिया जाएगा। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है।

पीएम के नेतृत्व में नाकाम हुई साजिशें

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र विरोधी

ताकतों ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को भटकाने, भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने, हिंसा-आतंकवाद फैलाने तथा समाज में विभेद पैदा करने की कोशिश की। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इन तमाम साजिशों को पूरी तरह से विफल कर दिया है। साथ ही भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लौटाने, उनके पुनर्वास के प्रयासों के साथ-साथ रोजगार, व्यापार के

अवसर पैदा करने पर भी जोर दिया है।

खून-पानी साथ-साथ नहीं बहेगे

रक्षा मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने से यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को समाप्त किए जाने के बाद क्षेत्र में हुई प्रगति को अभूतपूर्व बताया और कहा कि इससे युवाओं के लिए नए अवसर खुले हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कई निर्णायक कार्रवाइयें की रणनीति अपनाई थी। इन अभियानों के दौरान सिर्फ और सिर्फ आतंकवादियों और उनके आकाओं को निशाना बनाया गया था।

पाकिस्तान को बता दी उसकी हद

राजनाथ ने कहा कि भारत हालांकि शांति में विश्वास करता है और किसी दूसरे देश के इलाके पर कब्जा करने व युद्ध की इच्छा नहीं रखता है। लेकिन हमें इस बात में भी कोई संदेह नहीं है कि शांति और कमजोरी में साफ अंतर है। युद्ध के डर से पैदा हुई शांति निंदनीय है। जबकि शांति के लिए लड़ा गया युद्ध सम्मान के योग्य है। अगर कोई देश हमारे खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देगा तो उसके साथ कोई वार्ता नहीं होगी। बल्कि भारत के रक्षा बल उसे माकूल जवाब देंगे।

8 से 10 सितंबर तक होने वाली इस यात्रा में प्रवासी भारतीयों से भी मिलेंगे राजनाथ सिंह तरंगशक्ति युद्धाभ्यास के लिए भारत आएगा श्रीलंका का विमान, आज से होगा रक्षा मंत्री का दौरा

हरिभूमि ब्यूरो»नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ती रणनीतिक असुरक्षा के दौर में भारत और श्रीलंका के बीच जल्द ही दो बेहद सुखद और सकारात्मक संयोग बनेंगे। जिनमें से एक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार (8 सितंबर) से भारत के इस निकट करीबी मित्र देश की तीन दिवसीय (8 से 10 सितंबर तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जबकि दूसरे में इसके कुछ वक्त बाद यानी 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक राजस्थान के जोधपुर एयरबेस पर आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई युद्धाभ्यास तरंगशक्ति में भाग लेने के लिए इस द्विप्रीय देश की वायुसेना का संभवतः एक बीच-क्राफ्ट विमान बी-200 भारत आएगा। यहां बता दें कि बी-200 विमान दो इंजन वाला एक टर्बोप्रॉप विमान है। जिसका उपयोग समुद्री निगरानी, टोही कार्यों तथा खोज व बचाव कार्यों के लिए किया जाता है।

राजनाथ के यात्रा कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

रक्षा मंत्री की श्रीलंका यात्रा के दौरान उनके साथ रक्षा और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय

प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ राजनाथ सिंह की मुलाकात होगी। जिसमें दोनों देशों के संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा कोलंबो में रहने वाले प्रवासी भारतीयों के साथ भी रक्षा मंत्री जरूरी संवाद करेंगे। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी। जिसका एक अहम पहलू एक सशक्त समुद्री और रक्षा साझेदारी भी है।

पड़ोसी सबसे पहले नीति को मिलेगा बल

रक्षा मंत्रालय ने बताया, राजनाथ की इस यात्रा से भारत की पड़ोसी सबसे पहले नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महासागर दृष्टिकोण (क्षेत्रीय सुरक्षा, विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) को भी बल मिलेगा। भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध और बहुआयामी साझेदारी है। जिसका मूल आधार क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा, आर्थिक-



राज्यों की अधिक भागीदारी के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों को मजबूत करने पर समीक्षा बैठक की

मार्च 2027 तक 300 कृषि विज्ञान केन्द्रों के उन्नयन और दिसंबर 2028 तक सभी केंद्रों में इनक्यूबेशन-सह-कोशल केंद्रों की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया गया

हरिभूमि ब्यूरो»नई दिल्ली

बैठक के दौरान वर्ष 2027 तक प्राथमिकता वाले 300 केवीके के बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स के उन्नयन पर चर्चा की गई। चौहान ने निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी और समय पर समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया। डीएआरई के सचिव ने प्राथमिकता वाले केवीके के उन्नयन के लिए वित्तीय और संस्थागत सहायता जुटाने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ बातचीत की। महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और छत्तीसगढ़ ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है, जबकि अन्य राज्य तैयारी और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

बैठक में दिसंबर 2028 तक सभी केवीके में इनक्यूबेशन-सह-कोशल

केंद्र स्थापित करने के कार्य बिंदु को भी शामिल किया गया। इस पहल के तहत, केवीके का कृषि-आधारित उद्यमों, तकनीकी भागीदार संस्थानों और जिला-विशिष्ट कृषि अवसरों के साथ मानचित्रण किया जा रहा है। वित्त पोषण और कार्यान्वयन सहायता के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केवीके-वार योजनाएं विकसित की जा रही हैं।

वर्ष 2026-27 के लिए दलहन और तिलहन कार्यक्रम पर क्लस्टर फ्रंटलाइन प्रदर्शन के तहत, 12,349 हेक्टेयर के लक्ष्य क्षेत्र के साथ 353 केवीके/जिलों के माध्यम से 24 राज्यों में गतिविधियों को लागू किया जा रहा है। 9,750 हेक्टेयर क्षेत्र पहले ही हासिल किया जा चुका है। कुछ राज्यों में फंड-फ्लो मैपिंग और धन जारी करने में देरी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता हीरा ठाकुर कांग्रेस में शामिल

हरिभूमि ब्यूरो»नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष हीरा ठाकुर भाजपा पर जातिगत जनगणना के मुद्दे पर पिछड़े वर्गों से विश्वासघात का आरोप लगाते हुए कांग्रेस में शामिल हो गए। कर्पूरी ठाकुर विचार मंच के अध्यक्ष हीरा ठाकुर 12 वर्षों तक विधान परिषद के सदस्य रहे हैं और उन्होंने सभापति एवं नेता-उपनेता जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाई हैं। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद और सांसद राकेश राठौर ने उन्हें पार्टी में शामिल

कराया। हीरा ठाकुर का स्वागत करते हुए राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार केवल चुनिंदा पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने, युवाओं से रोजगार का अधिकार छीनने और शिक्षा को महंगा करने के खिलाफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की लड़ाई से प्रभावित होकर आज पिछड़ा और अति-पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के साथ जुड़ रहा है। डॉ. अनिल जयहिंद और राकेश राठौर ने कहा कि लंबे समय तक भाजपा के बड़े नेता रहे हीरा ठाकुर का कांग्रेस में शामिल होना अति-पिछड़ा समाज के अधिकारों की लड़ाई को एक नई दिशा देगा।

सत्य निकेतन हादसे के बीच कांग्रेस का दावा- जेल जाने का कानूनी प्रावधान हटाकर बिल्डरों को अवैध निर्माण की दी गई खुली छूट

हरिभूमि ब्यूरो»नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने से छात्रों की मौत के बीच कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर अवैध व खतरनाक निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई को खत्म करने और जेल जाने की सजा का प्रावधान हटाने का अहम खुलासा किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने बताया कि सरकार ने हाल ही में जन विश्वास एक्ट पास कर दिल्ली नगर निगम अधिनियम (डीएमसी एक्ट) की धारा 466(ए) हटा दी है, जिससे अब दिल्ली में अवैध और

खतरनाक निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ कोई कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान अवैध निर्माण के मामलों में आपराधिक कार्रवाई का आधार था।

पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने कहा कि वर्ष 1985 में राजीव गांधी की सरकार ने दिल्ली नगर निगम अधिनियम में धारा 466(ए) जोड़ी थी। इसके तहत अवैध व खतरनाक निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छह महीने की जेल और जुर्माने का आपराधिक प्रावधान रखा गया था। इसका नतीजा ये रहा कि वर्षों

तक कड़ी कार्रवाई हुई और कई बिल्डर जेल गए। वर्तमान मोदी सरकार द्वारा हाल ही में इस धारा को समाप्त किए जाने से बिल्डरों के मन से कानून का खोफ खत्म हो चुका है और पूरी दिल्ली में बिना डर के अवैध निर्माण व बेसमेंट खुदाई का काम धड़ल्ले से चल रहा है।

कांग्रेस नेता ने दिल्ली नगर निगम के आंकड़ों को 'कागजी छलावा' बताते हुए कहा कि नगर निगम ने इस साल 32 से 34 लाख घरों का सर्वे करने का दावा किया था, लेकिन महज 19 घरों की ही खतरनाक घोषित किया। 2023 से लेकर 2026 तक नगर निगम ने एक करोड़ इमारतों

का सर्वे किया और मात्र 103 इमारतों को खतरनाक बताया गया। उन्होंने चौंकाने वाला तथ्य सामने रखा कि हाल के दिनों में सत्य निकेतन के साथ मुस्तफाबाद, साकेत, रोहिणी और कर्नाल बाग में जो इमारतें ढही हैं, उनमें से एक भी खतरनाक घोषित इमारतों की सूची में दर्ज नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार गरीबों की झुग्गी-झोपड़ियों पर तो बुलडोजर चलाती है, लेकिन बड़े-बड़े बिल्डरों को बचाने का काम करती है।

अभिषेक दत्त ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि

बेफिक्र जिन्दगी के आगे दर्द क्या चीज़ है ?



घुटना दर्द

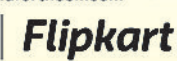
कमर दर्द

कलाई दर्द

कंधा दर्द

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. आर्थो स्ट्रॉंग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthooil.com

यहाँ से भी खरीदें    

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसफॉर्म सेंटर, पंजाबी बाग, परिचमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109